लता मंगेशकर के जाने से भारतीय संगीत का एक सुर जैसे कम हो गया हो मगर अपनी आवाज के जरिए लता दीदी हमेशा दिलों में जिंदा रहेंगी।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 56 दिनांक: 07-02-2022 सोमवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

आइसीसी अंडर-19 वर्ल्ड कप का खिताब जीतने वाली भारतीय टीम को देश पहुंचने पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड अहमदाबाद में सम्मानित करेगा। यश ढुल की कप्तानी में टीम ने खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है।

पंचतत्व में विलीन हुई लता मंगेशकर

-अंतिम यात्रा पर फैंस का उमड़ा जनसैलाब

- राजकीय सम्मान के साथ दी गई अंतिम विदाई, भतीजे ने दी मुखाग्नि

- प्रधानमंत्री मोदी ने भी किये अंतिम दर्शन

मुंबई, (ईएमएस)। रविवार सुबह भारत रत्न स्वर कोकिला लता मंगेशकर ने दुनिया को अलविदा कह दिया। उनके निधन के बाद से पूरा देश सदमे में है। मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्तपाल में कोरोना संक्रमण से जंग लड़ते हुए 92 साल की उम्र में लता मंगेशकर का रविवार सुबह निधन हो गया. उनका अंतिम संस्कार रविवार शाम साढ़े छह बजे मुंबई के शिवाजी पार्क में पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया. उनके भाई हृदयनाथ मंगेशकर के बेटे आदिनाथ ने मुखाग्नि दी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे भी स्वर कोकिला के अंतिम दर्शन के लिए शिवाजी पार्क पहुंचें और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। लता मंगेशकर के निधन पर दो दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया गया है. इस दौरान राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा. वहीं महाराष्ट्र सरकार ने आज सोमवार को राज्य में सार्वजानिक अवकाश की घोषणा की है. बता दें कि पिछले 29 दिनों से लता मंगेशकर ब्रीच कैंडी अस्तपाल में भर्ती थीं और उनकी स्थिति नाज़ुक बनी हुई थी. पार्थिव देह दोपहर 1.10 बजे ब्रीच कैंडी अस्पताल से उनके घर पहुंची थी जहां राजनीतिक, सामाजिक तथा बॉलीवुड जगत की तमाम हस्तियां पहुंची और उनके अंतिम दर्शन किये. बाद में लता मंगेशकर के अंतिम संस्कार के लिए उनके पार्थिव शरीर को उनके निवास स्थान प्रभुकुंज से लेकर शिवाजी पार्क ले जाया गया. इस दौरान उनके अंतिम दर्शन के लिए हजारों की भीड़ जुटी. लता मंगेशकर के पार्थिव शरीर को तिरंगे में लपेटकर उनके घर से कार तक सैन्य अधिकारी ले गए और फिर आर्मी, नेवी, एयरफोर्स और महाराष्ट्र पुलिस के जवानों ने उनकी अर्थी को कंधा दिया। पुलिस और सेना ने लता मंगेशकर को औपचारिक सलामी दी और एक बैंड ने राष्ट्रगान बजाया. उनका पार्थिव शरीर फूलों से सजे सेना के ट्रक में रखकर शिवाजी पार्क ले जाया गया। ट्रक में पार्थिव शरीर के साथ मंगेशकर की बहन और नामी गायिका आशा भोसले सहित उनके परिवार के कुछ सदस्य थे. इस मौके पर महाराष्ट्र के मंत्री आदित्य ठाकरे भी मौजूद थे. सेना, पुलिस जीप की सुरक्षा में ट्रक हाजी अली जंक्शन, वर्ली नाका, पोद्दार अस्पताल चौक, पुराना पासपोर्ट कार्यालय, सिद्धिविनायक मंदिर, कैडल रोड से होते हुए दादर के शिवाजी पार्क पहुंचा। मुंबई के हजारों लोग लता ताई को अंतिम विदाई देने सड़कों पर उतर आए। उधर शिवाजी पार्क में उनके अंतिम दर्शन के लिए लोग दो घंटे पहले से कतार में लगे हुए थे। अंतिम दर्शन के लिए लता मंगेशकर का पार्थिव शरीर कुछ समय के लिए शिवाजी पार्क में रखा गया। अंतिम संस्कार के वक्त शिवाजी पार्क में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार, एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार, मंत्री छगन भुजबल, मंत्री सुभाष देसाई, मंत्री आदित्य ठाकरे, मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे, प्रसिद्ध गीतकार जावेद अख्तर, अभिनेता शाहरुख खान, दिग्गज खिलाड़ी सचिन तेंडुलकर समेत विभिन्न क्षेत्रों से कई दिग्गज हस्तियां मौजूद रही.

- भारतीय संगीत की दुनिया में एक खालीपन जिसे भरना अब काफी मुश्किल

बहरहाल लता मंगेशकर के निधन से भारतीय संगीत की दुनिया में एक खालीपन आ गया है, जिसे भरना अब काफी मुश्किल है. आपको बता दें कि भारत की कोकिला के रूप में जानी जाने वाली लता मंगेशकर को भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न मिल चुका है। उन्हें पद्म भूषण, पद्म विभूषण, दादा साहब फाल्के पुरस्कार और कई राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों से भी सम्मानित किया जा चुका है। उन्होंने अलग-अलग भाषाओं में 30,000 से अधिक गाने गाए हैं। 1942 में 13 साल की उम्र में उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की।

शीतलहर से कांपी देश की एक चौथाई आबादी

-दिल्ली में कोहरे का घटाटोप बना मुसीबत का सबब

पुणे (ईएमएस)। देश इन दिनों कड़ाके की सर्दी से जूझ रहा है। लगभग 16 फीसदी जिले और 24 फीसदी आबादी शीतलहर के भारी खतरे में रहती है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 13 मौसमी घटनाओं पर रिसर्च के बाद यह जानकारी दी है। क्लाइमेट हजार्ड्स एंड वल्नेरेबिलिटी एटलस के अनुसार, शीतलहर के खतरे वाले सबसे ज्यादा जिले उत्तर प्रदेश (75) में हैं। राजस्थान के 17 जिलों, बिहार के 14 जिलों, झारखंड और पंजाब के एक-एक जिले पर शीतलहर का खतरा रहता है। आईएमडी के एटलस के अनुसार, ज्यादातर आबादी को खतरा सूखे, शीतलहर और आंधियों जैसी मौसमी घटनाओं से है। उधर, घने कोहरे की वजह से पिछले कुछ दिनों में दिल्ली के भीतर उड़ानों पर असर पड़ा है। शनिवार को इंदिरा गांधी इंटरनैशनल एयरपोर्ट पर 50 से ज्यादा उड़ानें लेट हुईं।

चरणजीत सिंह चन्नी ही कांग्रेस का मुख्यमंत्री चेहरा होंगे - राहुल गांधी ने ऐलान किया

चंडीगढ़ (ईएमएस)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने ऐलान किया है कि चरणजीत सिंह चन्नी ही कांग्रेस का मुख्यमंत्री चेहरा होंगे। उन्होंने कहा ठचन्नी जी से मैंने बात की और उनसे पूछा आपके पापा क्या करते हैं। चंन्नी जी गरीब घर के बेटे हैं और गरीबी को समझते हैं, गरीबी से निकले हैं। चंन्नी जी मुख्यमंत्री बने तो आपने नोट किया होगा कि आपको इनमें अहंकार दिखा? थोड़ा भी? नहीं। मुख्यमंत्री हैं और जनता के बीच जाते हैं लेकिन, कभी आपने प्रधानमंत्री को या योगी जी को जनता की मदद करते हुए देखा? वो लोग राजा है। चन्नी जी मुख्यमंत्री बनने नहीं आए हैं, पंजाब की सेवा करने आये हैं।

राहुल गांधी ने कहा कि मुख्यमंत्री चेहरे का निर्णय पंजाब का निर्णय है। पंजाब के लोगों, अपने उम्मीदवारों, कार्यकर्ताओं और युवाओं वर्किंग कमेटी के लोगों से पूछा। पंजाबियों ने हमें बताया कि हमें एक ऐसे व्यक्ति की जरूरत है जो गरीबों को समझ सके।

राहुल गांधी का ये ऐलान एक टेलीपोल के बाद हुआ है, जिसमें लोगों से कांग्रेस का मुख्यमंत्री चेहरे का चुनाव करने को कहा गया था। कांग्रेस का यह तरीका अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी द्वारा चलाए गए कैंपेन की तरह की माना गया था, जिसका कई लोगों ने मजाक भी बनाया था। 2017 में पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए नवजोत सिंह सिद्धू और सीएम चरणजीत चन्नी में चल रही तकरार के बीच टेलीपोल कराया फिर ये घोषणा की गई है।

यह स्पष्ट करते हुए कि इस मामले को लेकर उन्हें बीच में आना पड़ रहा है, राहुल गांधी ने 27 जनवरी को एक जनसभा में घोषणा की थी, जिसमें उन्होंने कहा था, ठआम तौर पर, हम मुख्यमंत्री के चेहरे की घोषणा नहीं करते हैं, लेकिन अगर कांग्रेस कार्यकर्ता चाहते हैं, तो हम एक चेहरे का भी चयन करेंगे। लेकिन हम कांग्रेस कार्यकर्ताओं से सलाह लेंगे, वे फैसला करेंगे।

घोषणा के तुरंत बाद चरणजीत चन्नी, जो राज्य के पहले दलित मुख्यमंत्री भी हैं, सिद्धू के पैर छूते देखे गए।

पंजाब कांग्रेस प्रमुख सिद्धू ने जैसे अंपायर अंतिम दौर के बाद विजेता मुक्केबाज का हाथ उठाता है, ऐसे खुशी में हाथ उठाकर संभावित मुख्यमंत्री चन्नी की जय-जयकार की।

मुख्यमंत्री चेहरे की घोषणा होने के बाद चन्नी ने कहा, ठसिद्धू जी, जो तुसी करना चाहते हो, तुसी करोगे (आप जो करना चाहते हैं, आप करेंगे। आपका मॉडल लागू किया जाएगा।ठ उन्होंने कहा, दिल की गहराई से पंजाब की जनता, जिनकी आवाज बनकर ठराहुल गांधी ने मेरा नाम घोषित किया है उनका, नवजोत सिंह सिद्धू, मेरे बड़े भाई सुनील जाखड़, पंजाब की लीडरशिप और पंजाबियों का धन्यवाद। हाथ जोड़कर विनती करता हूं कि यह बहुत बड़ी लड़ाई है, यह बहुत बड़ा काम है जो मैं अकेला नहीं कर सकता। यह अकेले मेरे बस का काम नहीं है। ना मेरे पास पैसा है, जो मैं इतना बड़ा चुनाव लड़ सकूं। यह लड़ाई पंजाब के लोग लड़ेंगे, तभी कामयाब हो सकते हैं। विश्वास दिलाना चाहता हूं कि कोई गलत काम नहीं करूंगा, पूरी पारदर्शिता रहेगी।

इससे पहले आज, सिद्धू ने ट्वीट कर कहा, ठहर कोई राहुल गांधी के फैसले का पालन करेगा। निर्णय के बिना कुछ भी महान हासिल नहीं किया गया। पंजाब को स्पष्टता देने आ रहे हमारे अग्रणी प्रकाश राहुल जी का हार्दिक स्वागत। सभी उनके निर्णय का पालन करेंगे!!!

कृष्णभक्ति का चोला ओढ़ने वालों को सत्ता में रहते कभी याद नहीं आए वृंदावन, बरसाना या नंदगांव : मोदी

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समाजवादी पार्टी (सपा) को 'नकली समाजवादी' करार देते हुए रविवार को कहा कि जनता की आस्था से कोई सरोकार नहीं रखने वाले इन लोगों को भाजपा को अपार समर्थन मिलता देखकर अब सपने में भगवान कृष्ण की याद आने लगी है। पीएम मोदी ने मथुरा, बुलंदशहर और आगरा के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित 'जन चौपाल' को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से सम्बोधित करते हुए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और उनकी पार्टी पर तीखे प्रहार किए और कहा कि चुनाव देखकर कृष्ण भक्ति का चोला ओढ़ने वाले लोग जब सरकार में थे तो वृंदावन, बरसाना, गोवर्धन और नंदगांव को वे भूल ही गए थे। आज भाजपा को अपार समर्थन देख इन लोगों को अब सपने में भगवान कृष्ण की याद आने लगी है।

उल्लेखनीय है कि अखिलेश यादव ने हाल में कहा था कि भगवान कृष्ण रोजाना उनके सपने में आकर कहते हैं कि उत्तर प्रदेश में सपा की सरकार बनने जा रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जो पहले सरकार में थे, उन्हें न तो आप लोगों की आस्था से मतलब था और न आपकी जरूरतों से। उनका सिर्फ एक ही एजेंडा रहा है, उत्तर प्रदेश को लूटो। उन्हें बस सरकार बनाने से मतलब रहा है, इसीलिए आज वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा सरकार को पानी पी पी कर कोस रहे हैं। उत्तर प्रदेश का इन लोगों ने जो हाल बना दिया था, वह इन नकली समाजवादियों के कर्मों का कच्चा चिट्ठा है।

मोदी ने आरोप लगाया पिछली सरकारों के शासनकाल में अपराधियों के हौसले इतने बुलंद थे कि वे राजमार्गों पर गाड़ी रोक कर लूटपाट करते थे और राजमार्गों पर ही महिलाओं और बेटियों के साथ क्या होता था, यह बुलंदशहर के लोग अच्छी तरह से जानते हैं। तब उत्तर प्रदेश में घरों एवं दुकानों पर अवैध कब्जे होना आम बात थी। लोग अपना घर छोड़कर पलायन को मजबूर होते थे। आगरा के दंगों में आरोपियों के सिर पर किसका हाथ था, यह आप भली-भांति जानते हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के लोगों ने दो टूक कह दिया है कि धन, दौलत, बाहुबल, जातिवाद, परिवारवाद और संप्रदायवाद के दम पर भले ही कुछ लोग कितनी ही राजनीति कर लें, लेकिन वह जनता का प्यार नहीं पा सकते। जनता का आशीर्वाद तो उसे ही मिलेगा, जो सच्चे अर्थ में प्रदेश के लोगों की सेवा करेगा, इसलिए जनता ने तय कर लिया है कि इस बार भी चुनाव में सबसे बड़ा मुद्दा विकास का ही है।अगर राज्य का विकास कोई कर सकता है तो वह सिर्फ भाजपा है, इसलिए पिछले कई महीनों से उत्तर प्रदेश के लोग यह ठान कर बैठे हैं कि कमल का बटन फिर दबाना है और भाजपा को ही जिताना है।

भाजपा ने 8 फरवरी को सदन में रहने के लिए राज्यसभा सांसदों को जारी किया व्हिप

नई दिल्ली (ईएमएस)। भाजपा ने अपने सभी सांसदों को आठ फरवरी को राज्यसभा में रहने के लिए व्हिप जारी की है। पार्टी ने 3 लाइन का व्हिप जारी कर अपने सभी राज्यसभा सांसदों को 8 फरवरी, मंगलवार को सारे दिन पूरे समय सदन में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर सरकार के पक्ष का समर्थन करने को कहा है।

दरअसल, मंगलवार को राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दे सकते हैं। इस धन्यवाद प्रस्ताव को राज्यसभा से पारित भी कराया जाना है। इसे पारित कराने के दौरान विपक्षी दल अपने संशोधनों को लेकर मतदान की मांग कर सकते हैं।

विरोधी दलों की इसी रणनीति के मद्देनजर भाजपा ने पूरी ताकत के साथ राज्यसभा में दिनभर मौजूद रहने के लिए अपने सांसदों को व्हिप जारी कर यह निर्देश दिया है ताकि वोटिंग की नौबत आने पर विरोधी दलों के प्रस्ताव को बहुमत के आधार पर खारिज कराया जा सके।

उल्लेखनीय है कि राज्यसभा में विभिन्न विपक्षी राजनीतिक दलों के 14 सांसदों की तरफ से राष्ट्रपति के अभिभाषण में संशोधन के लिए 99 नोटिस दिए गए थे, जिनमें से 11 विपक्षी सांसदों की तरफ से संशोधन के लिए 80 नोटिस पेश किए गए हैं। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस के केसी वेणुगोपाल और सीपीएम के इलामारन करीम द्वारा पेगासस जासूसी मामले को लेकर दिए गए संशोधन प्रस्ताव को यह कहते हुए नामंजूर कर दिया गया है कि मामला अदालत में विचाराधीन है। अपने संशोधन प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किए जाने के विरोध में सीपीएम सांसद इलामारन करीम ने राज्यसभा सभापति वेंकैया नायडू को पत्र लिखकर विरोध जताया है। इस मसले पर विपक्षी सांसद राज्य सभा में हंगामा भी कर सकते हैं और साथ ही सदन में संख्या बल के आधार पर सभी विपक्षी दल मिलकर अपने संशोधन को पारित करवाने की कोशिश भी कर सकते हैं। इसी आशंका के मद्देनजर भाजपा भी अपनी पूरी संख्या के साथ राज्यसभा में मौजूद रहना चाहती है और इसलिए व्हिप जारी किया गया है।

हुंडई ने पकिस्तान में कश्मीर की आज़ादी का समर्थन किया, भारतीय भड़के

नई दिल्ली (ईएमएस) पाकिस्तान 5 फरवरी को कश्मीरी एकता दिवस मनाता है। इसी दिन को अपने अंदाज में मनाते हुए हुंडई कंपनी की पाकिस्तान यूनिट के सोशल मीडिया हैंडल से एक पोस्ट किया गया। इस पोस्ट में लिखा था- अपने कश्मीरी भाइयों के बलिदान को याद करें और उनके समर्थन में खड़े हों, क्योंकि वे आजादी के लिए लगातार लड़ रहे हैं।

साउथ कोरिया की कंपनी हुंडई की पाकिस्तानी इकाई के सोशल मीडिया हैंडल पर इस पोस्ट ने भारतीयों का गुस्सा बढ़ा दिया। देखते ही देखते भारतीय यूजर्स ने हुंडई को उसकी असलियत दिखाते हुए पाकिस्तान में उसकी हैसियत भी दिखा दी। यूजर्स ने कहा- हुंडई कंपनी दुनिया के सबसे बड़े बाजार (भारत) को समझने में भूल कर गई, अब भारतीय उसे घुटने पर लाएंगे। इसके बाद हुंडई पाकिस्तान का पोस्ट डिलीट हो गया, लेकिन उसके स्क्रीन शॉट्स सोशल मीडिया पर वायरल हो गए हैं।

एक यूजर ने लिखा- 2021 में हुंडई मोटर्स की कारों की बिक्री। भारत में 5 लाख 50 हजार, जबकि पाकिस्तान में 8 हजार। इसके बावजूद हुंडई ने अपने पाकिस्तानी हैंडल के जरिए भारत को चोट पहुंचाई है। या तो वे बेहद मूर्ख हैं या फिर उनमें बिजनेस सेंस की कमी है। हो सकता है कि उनकी पीआर टीम किसी लायक नहीं, जिसने उन्हें बायकॉट हुंडई के कगार पर खड़ा कर दिया।

जम्मू कश्मीर में नारको - टेरर मॉडयूल का भंडाफोड़

18 करोड़ की हेरोइन के साथ दो गिरफ्तार

- आरोपियों से कई लाख के चेक भी बरामद

बारामुला (ईएमएस)। उत्तरी कश्मीर के बारामुला जिले में शनिवार को पुलिस ने नारको-टेरर मॉडयूल का भंडाफोड़ कर दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से 18 करोड़ रुपये कीमत की नौ किलो कथित हेरोइन बरामद की गई है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि बसग्रान की ओर दाची से उड़ी पुलिस का एक दल इलाके में गश्त कर रहा था तभी उसने दाची की ओर जाने वाली सड़क पर दो वाहनों सेलेरियों कार (जेके 09सी/1584) और ऑल्टो कार (जेके 05जी/0247) संदिग्ध हालत में को संदिग्ध स्थिति में दिखे।

पुलिस वाहनों की ओर गयी और उन्हें देखने के बाद वाहनों के चालकों ने भागने की कोशिश की। हालांकि पुलिस ने उड़ी में जब्दा कमालकोट तहसील के निवासी मोहम्मद सबीर बरवाल और सोपोर के रेबान राफियाबाद के परवेज अहमद तांत्रे को पकड़ लिया गया। दोनों वाहनों की तलाशी ली गयी, जिसमें सेलेरियो वाहन से कथित तौर पर हेरोइन के तीन और ऑल्टो कार से हेरोइन के पांच पैकेट बरामद किए गए। कुल मिलाकर करीब नौ किलोग्राम वजन के प्रतिबंधित पदार्थ के आठ पैकेट बरामद किए गए। अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिबंधित पदार्थ की कीमत करीब 18 करोड़ रुपये है।

ईसी के नए दिशानिर्देश, चुनाव प्रचार के लिए रोड शो, वाहन रैलियों पर बढ़ाई पाबंदी

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोविड के चलते निर्वाचन आयोग ने रविवार को चुनाव प्रचार के लिए नए निर्देश जारी किए है। अब रोड शो, पद यात्रा, साइकिल और वाहन रैलियों पर प्रतिबंध को बढ़ा दिया, लेकिन कोविड-19 मामलों में कमी का हवाला देते हुए चुनावों के लिए बंद और खुले स्थानों पर प्रचार कार्यक्रमों के लिए नई छूट प्रदान की। नई छूट मिलने के बाद उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा, पंजाब और मणिपुर में राजनीतिक दलों को बड़े चुनाव प्रचार कार्यक्रमों का आयोजन करने में मदद मिलेगी। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिये 10 फरवरी को मतदान होगा। इसके लिए आठ फरवरी की शाम प्रचार अभियान थम जाएगा।

आयोग ने राज्यों के मुख्य सचिवों, उसके पर्यवेक्षकों और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से प्राप्त जानकारी के आधार पर भौतिक प्रचार कार्यक्रमों को आयोजित करने की अनुमति प्रदान कर दी। आयोग ने एक बयान में कहा कि खुले में सभा, बंद भवनों में सभा तथा रैलियों के संबंध में प्रतिबंधों में और ढील दी गई है, लेकिन बंद सभागारों की 50 प्रतिशत क्षमता और खुले मैदान की 30 प्रतिशत क्षमता के बराबर लोग ही इनमें शामिल हो सकेंगे। इसके अलावा, घर-घर जाकर प्रचार करने के लिए अधिकतम 20 लोगों की सीमा पहले की तरह ही लागू रहेगी। प्रचार पर रात आठ बजे से सुबह आठ बजे तक प्रतिबंध लागू रहेगा। देश में उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, गोवा, मणिपुर और पंजाब में विधानसभा चुनाव होना है।

सिद्धू के बदले सुर, कहा सीएम कोई भी हो आखिरी सांस तक नहीं छोड़ूगा कांग्रेस का साथ

चंडीगढ़ (ईएमएस)। पंजाब में विधानसभा चुनाव के पहले कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी रविवार को राज्य में कांग्रेस के सीएम फेस का ऐलान करने वाले हैं। मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू या मुख्यमंत्री चरणजीत चिन्नी के नाम की घोषणा की जा सकती है। घोषणा से पहले, पंजाब कांग्रेस के प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू ने ट्वीट किया, हर कोई राहुल गांधी के फैसले का का पालन करेगा।

उन्होंने राहुल गांधी का गर्मजोशी से स्वागत किया, उन्होंने कहा कि वह पंजाब को स्पष्टता देगें। निर्णय के एक अधिनियम के बिना कभी भी कुछ भी महान हासिल नहीं किया गया था। शनिवार को नवजोत सिंह सिद्धू ने इस मामले पर कहा था मैंने राजनीति में पद के लिए नहीं बल्कि चीजों को बदलने के लिए कदम रखा है। पार्टी आलाकमान की इच्छा मेरी कमान है। उन्होंने कहा कि वह अपनी आखिरी सांस तक कांग्रेस पार्टी के साथ रहेंगे, भले ही उन्हें मुख्यमंत्री का चेहरा बनाया जाए या नहीं। विपक्षी आम आदमी पार्टी पहले ही भगवंत मान को अपना सीएम चेहरा घोषित कर चुकी है, जबकि शिरोमणि अकाली दल ने अपने प्रमुख सुखबीर बादल को इस पद के लिए आगे किया है। पंजाब विधानसभा चुनाव एक ही चरण में 20 फरवरी को होंगे। वोटों की गिनती 10 मार्च को होगी।

कर्नाटक में हिजाब विवाद गहराया, सड़कों पर उतरी छात्राएं, सरकार ने ड्रेस पर जारी किया सर्कुलर

बेंगलुरू (ईएमएस)। कर्नाटक में छात्राओं के हिजाब पहनने को लेकर उठे विवाद के बीच राज्य सरकार ने वर्दी पर एक सर्कुलर जारी कर अपने पहले के रुख को दोहराते हुए कहा कि सभी सरकारी स्कूलों को राज्य सरकार द्वारा घोषित ड्रेस कोड का पालन करना चाहिए। यह कहते हुए कि निजी संस्थानों के छात्रों को स्कूल प्रबंधन द्वारा तय किए गए ड्रेस कोड का पालन करना चाहिए, इसने कहा कि कॉलेज विकास बोर्ड द्वारा तय किए गए ड्रेस कोड का पालन करेंगे।

सर्कुलर में कहा गया है कि ऐसा कोई कोड नहीं होने की स्थिति में छात्राएं ऐसी पोशाक पहन सकती हैं, जो समानता, अखंडता और कानून व्यवस्था को प्रभावित न करे। इस बीच, हिंदू और मुस्लिम छात्र-छात्राएं सड़कों पर उतर आए हैं, एक समूह ने कक्षाओं में हिजाब पहनने की अनुमति मांगी और दूसरे समूह ने हिजाब की अनुमति होने पर भगवा शॉल की अनुमति देने की मांग की। उडुपी जिले के कुंडापुर में लड़के-लड़कियों सहित सैकड़ों छात्राओं ने भगवा शॉल ओढ़कर जुलूस निकाला और 'जय श्रीराम', 'जय लक्ष्मी बाई' के नारे लगाए। बाद में पुलिस ने छात्राओं को उनके घर वापस भेज दिया।

रांची के बाल सुधार गृह में बाल कैदियों में जमकर मारपीट, आठ घायल, चार की हालत गंभीर

रांची (ईएमएस)। झारखंड की राजधानी रांची के डूमरदगा स्थित बाल सुधार गृह में रविवार तड़के बाल कैदियों (जुवेनाइल) के दो गुटों में जमकर मारपीट हो गयी, जिसमें आठ बाल कैदी घायल हो गये हैं। इनमें से चार की हालत गंभीर बनी हुई है। घायलों को अस्पताल में भर्ती किया गया है। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची और घायल हुए कैदियों को आनन फानन में इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है, जहां चार की हालत गंभीर बनी हुई है।

बीसीसीआई ने अंडर 19 विजेताओं के लिए खोला खजाना

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अंडर 19 विश्वकप विजेता टीम के लिए बड़े इनाम की घोषणा की है। बीसीसीआई ने अंडर 19 विश्व कप जीतने वाले भारतीय टीम के हर सदस्य के लिए 40 लाख रूपए और सहयोगी स्टाफ के लिए 25 लाख रूपए के पुरस्कार की घोषणा की है। बोर्ड सचिव जय शाह ने फाइनल में भारत की चार विकेट से जीत के बाद ट्वीट किया, 'अंडर 19 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करके खिताब जीतने वाले अंडर 19 टीम के सदस्यों को बीसीसीआई 40-40 लाख रूपए नकद पुरस्कार और सहयोगी स्टाफ को 25-25 लाख रूपये देगा। साथ ही कहा कि आपने हमें गौरवान्वित किया है।'

वहीं बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने ट्वीट किया, 'अंडर-19 टीम और सहयोगी स्टाफ तथा चयनकर्ताओं को इतने शानदार तरीके से विश्व कप जीतने के लिए बधाई। हमारी ओर से 40 लाख रुपए की नकद इनामी राशि की घोषणा प्रशंसा का एक छोटा सा प्रतीक है जबकि उनके प्रयास बहुमूल्य है पूरी टीम ने बेहतरीन काम किया है।'

कार्टून कोना

सोनिया गांधी उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनावों के चौथे चरण में पार्टी के स्टार प्रचारकों में शामिल नहीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा में रायबरेली सीट का प्रतिनिधित्व करने वाली कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनावों के चौथे चरण में पार्टी के स्टार प्रचारकों में शामिल नहीं हैं। उत्तर प्रदेश में चौथे चरण में 23 फरवरी को पांच विधानसभा क्षेत्रों -- बछरावां-एसी, हरचंदपुर, रायबरेली, सरेनी और ऊंचाहार में मतदान होगा। ये सभी क्षेत्र रायबरेली लोकसभा क्षेत्र के तहत आते हैं। उत्तर प्रदेश विधानसभा के चौथे चरण में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद और पार्टी के पूर्व प्रमुख राहुल गांधी तथा कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा सहित 30 स्टार प्रचारक हैं।

राज्यसभा में विपक्ष के नेता आजाद 'ग्रुप 23' के प्रमुख नेता हैं जिन्होंने संगठन में फेरबदल की मांग की है और पार्टी नेतृत्व के आलोचक हैं। कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में 23 फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनावों के चौथे चरण के लिए अपने स्टार प्रचारकों की सूची रविवार को जारी की।

बता दें, उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर प्रचार जोरों पर है और सभी दलों के दिग्गजों ने पूरी ताकत झोंक रखी है। इसी क्रम में शनिवार को कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा जब अलीगढ़ में चुनाव प्रचार कर रही थीं तो एक रोचक वाकया सामने आया। चुनाव प्रचार के दौरान प्रियंका गांधी का सामना बीजेपी समर्थकों से हुआ जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नारे लगा रहे थे। उन्हें देखकर प्रियंका पहले तो मुस्कुराईं, उनसे हाथ मिलाया और फिर अपनी पार्टी का युवा घोषणापत्र उन्हें सौंप दिया।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर टकराने से कार में आग, तीन लोग जिंदा जले

सुल्तानपुर (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर एक कार डिवाइडर से टकरा गई। टकराने से धमाका हुआ और कार में आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि कार में बैठे तीन लोगों को बाहर निकलने का मौका ही नहीं मिला और वे जिंदा ही जल गए। दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक तीनों लोगों की जिंदा जलकर मौत हो चुकी थी।

कार सवार लखनऊ के रहने वाले थे। एक मृतक की शिनाख्त हो गई है। पुलिस ने परिजनों को सूचना दी है। बाकी दो मृतकों की शिनाख्त के प्रयास चल रहे हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि कार सवार मदद के लिए चीखते रहे, लेकिन भयानक आग में कोई भी उन्हें बचाने की हिम्मत नहीं जुटा पाया।

सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर के निधन से बॉलीवुड में शोक की लहर

-अभिनेता अमिताभ बच्चन, अक्षये कुमार सहित दिग्गज कराकारों ने दी श्रद्धांजलि

मुंबई (ईएमएस)। महान गायिका लता मंगेशकर का रविवार सुबह मुंबई में निधन हो गया। दीदी लता के निधन से सुरो का संसार थम सा गया। लता मंगेशकर, को 'मेलोडी की रानी' और 'भारत की स्वर कोकिला' के रूप में जाना जाता था, को 8 जनवरी को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद हालत बिगड़ने पर उन्हें आईसीयू में रखा गया था। जहां उन्होंने 92 वर्ष की आयु में आज सुबह अंतिम सांस ली। मंगेशकर को ब्रीच कैंडी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया था, जहां उनका इलाज डॉ. प्रतीत समदानी और उनकी डॉक्टरों की टीम कर रही थी। लता मंगेशकर के निधन की खबर आने के बाद अक्षय कुमार से लेकर अमिताभ बच्चन तक कई बॉलीवुड दिग्गजों ने शोक व्यक्त किया है।

बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार महान गायिका लता मंगेशकर के निधन से बेहद दुखी हैं। स्वर कोकिला को श्रद्धांजलि देने के लिए अक्षय कुमार ने भी सोशल मीडिया का सहारा लिया। न्होंने अपने ट्वीट में लिखा- 'मेरी आवाज ही पहचान है, गर याद प्रुष्ठ और कोई ऐसी आवाज कैसे भूल सकता है। लता मंगेशकर जी के निधन से बहुत दुखी हूं। सच्ची संवेदना और प्रार्थना। ओम शांति।'

अभिनेता बोमन ईरानी ने भी स्वर कोकिला लता मंगेशकर को ट्विटर के जरिए श्रद्धांजलि दी है। वह लिखते हैं- 'वह एक परी की तरह लग रही थीं और अब वह उनमें से एक बन गई हैं। शांति लता दीदी की आत्मा को शांति मिले। चिरस्थायी शांति।' विशाल ददलानी ने भी लता मंगेशकर के लिए ट्वीट किया है। उन्होंने लिखा- 'आशा के विरुद्ध आशा करना कि यह सच नहीं है। मेरे पास इस नुकसान और दुख को व्यक्त करने के लिए शब्द भी नहीं हैं। लता मंगेशकर जी की आवाज इंडिया की पहचान है, और हमेशा रहेगी।'

शंकर महादेवन लिखते हैं- 'लता मंगेशकर हमेशा रहेंगी। हमें आशीर्वाद दें दीदी।' निम्रत कौर लिखती हैं – 'भारत ने उनकी आवाज खो दी। अब कभी दूसरी लता मंगेशकर नहीं होंगी।' अनिल कपूर लिखते हैं- 'दिल टूट गया, लेकिन इस अविश्वसनीय आत्मा को जानने और प्यार करने के लिए धन्य फ्रह्रष्ठ लताजी हमारे दिलों में एक ऐसी जगह रखती हैं जो कभी किसी और

जन हितैषी

लता जी का जाना

6 फरवरी 2022 की सुबह जब लता मंगेशकर का मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में निधन हो गया, तब भारत ने न केवल अपने महान गायिका को खो दिया, बल्कि एक संगीतकार को भी खो दिया, जिसने फिल्म गायन के शिल्प को बदल दिया। आने वाली पीढियों के लिए एक बेंचमार्क बन गया। लता दीदी को 8 जनवरी को कोरोना महामारी के लक्षण निमोनिया के चलते भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों ने 6 फरवरी सुबह बताया कि दीदी हमारे बीच नहीं रहीं। लता दीदी एक ऐसे परिवार से रहीं जहां संगीत की पूजा होती थी। उनके पिता दीनानाथ मंगेशकर मराठी रंगमंच में एक विशाल व्यक्तित्व थे। उन्होंने अपने नाटकों के लिए गाने बनाए और गाए, जिन्हों मराठी रंगमंच के चेहरे को बदल देगा। वह नाटय संगीत के सबसे प्रमुख एक्सपोनेंट्स में से एक थे और एक पूर्ण हिंदुस्तान शास्त्रीय गायक थे। गीत, संगीत, गायन और आवाज की जादूगरी की जब भी चर्चा होती है, सहज और बरबस ही एक नाम लोगों के होठों पर आ जाता है-लता मंगेशकर। गायन के क्षेत्र में अब वे एक मिथक बन चुकी हैं। उन्हें संगीत की दुनिया में सरस्वती का अवतार माना जाता है। 1947 से 2016 तक शायद एक भी ऐसा संगीत-निर्देशक नहीं होगा, जिसने लता से कोई न कोई गीत गवाकर अपने आपको धन्य न किया हो। लताजी के प्रशंसकों की संख्या दिनोदिन बढऩे लगी। इस बीच उन्होंने उस समय के सभी प्रसिद्ध संगीतकारों के साथ काम किया। अनिल विश्वास, सलिल चैधरी, शंकर जयकिशन, एसडी बर्मन, आरडी बर्मन, नौशाद, मदनमोहन, सी. रामचंद्र इत्यादि सभी संगीतकारों ने लता जी की प्रतिभा का लोहा माना। सात दशक की उनकी स्वर यात्रा में उनकी व्यक्तिगत ख्याति इतनी शिखरों पर आरूढ़ हो गई कि लता जी अगर किसी संगीत-निर्देशक के लिए गाने से इंकार कर दिया तो उसे फिल्म इंडस्ट्री से अपना बोरिया-बिस्तर समेटना पड़ जाता। लताजी बहुत ही सादगीप्रिय एवं सरल स्वभाव की रहीं। इतनी बड़ी कीर्ति और ऐश्वर्य के अभिमान का अहंकार उनमें कभी नहीं देखा गया। उनको आभूषणों का शौक नहीं, पहनने-ओढऩे का शौक नहीं, खान-पान की भी शौकीन नहीं रहा। भारत की 'स्वर कोकिला' लता मंगेशकर की आवाज सुनकर कभी किसी की आंखों में आंसू आए, तो कभी सीमा पर खड़े जवानों को हौंसला मिला। वे न केवल भारत बल्कि दुनिया के संगीत का गौरव एवं पहचान थीं और हमेशा रहेंगी। आज लता जी हमारे सामने विरासत छोड़कर चली गई हैं..। जब बात लता मंगेशकर की होती है तो निःसंदेह इंदौर का नाम पहले आता है। 28 सितंबर, 1929 को इंदौर के सिख मोहल्ले में लता मंगेशकर का जन्म हुआ था। लता मंगेशकर का इंदौर संबंध आत्मीय रहा, हालांकि कई लोगों को इसमें बहुत सी शंकाएं भी रहीं। लेकिन ये अकाटय सत्य है जिसे उन्होंने सार्वजनिक रूप से स्वीकारा। लता मंगेशकर की निजी जिंदगी स्ट्रगल से भरी हुई थी। पिता के जाने के बाद घर की सारी जिम्मेदारी लता मंगेशकर के कंधों पर आ गई। परिवार की बिगड़ती आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखकर लता मंगेशकर ने खुद पढ़ाई नहीं की लेकिन अपनी छोटी बहनों को पढ़ाया। लता मंगेशकर स्कूल नहीं जाती थीं लेकिन वह घर में रहकर ही पढ़ाई किया करती थीं। क्योंकि लता अपने पिता के साथ मराठी संगीत नाटक में काम किया करती थीं इसलिए 14 साल की होने तक वह बड़े कार्यक्रमों और नाटकों में अभिनय करने लगीं। 1942 में जब लता मंगेशकर के परिवार की हालत सुधरनी शुरू हुई तो उनकी छोटी बहन आशा ने लव मैरिज की जिद पकड़ ली। इस बात पर दोनों में तनाव आ गया और कहते हैं कि दोनों के बीच दूरियां बढ़ गई थीं। आशा ने 1949 में गणपतराव भोंसले से शादी कर ली। लता मंगेशकर की अपने परिवार के प्रति सबसे बड़ी कुर्बानी ये थी कि भाई बहनों को संभाल सकें इसलिए उन्होंने खुद कभी शादी नहीं की। लता मंगेशकर 36 भाषाओं में गाना गा सकते वाली पहली सिंगर बनीं और ये टैग उनसे आज तक कोई नहीं छीन पाया है। लता दीदी ने 1 हजार से ज्यादा हिंदी गाने गाए और बाकियों की तो वह गिनती भी भूल चुकी थीं। लता मंगेशकर स्कूल भले ही नहीं जा पाई हों, लेकिन न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी समेत 6 विश्वविद्यालयों से मानक उपाधि से सम्मानित किया था।

मेरी आवाज ही मेरी पहचान है गर याद रहे

स्वर कोकिला, स्वर साम्राज्ञी, हर दिल अजीज, सुरों की मलिका, बच्चे, बड़े, बूढ़े हर किसी को अपनी आवाज से गुनगुनाने को मजबूर करने वाली अजीम शख्सियत लता दीदी कहें लता ताई या लता जी नहीं तो लता मंगेशकर कुछ भी कह लें बड़ी ही खामोशी से खामोश हो गईं। जिसने भी सुना सन्न रह गया, हर किसी को अपनी आवाज से सुकून देने वाली जानी-पहचानी और सबसे अलग आवाज की ऐसी विदाई ने हर किसी को गमगीन कर दिया। सचमुच ऐसा लगता है कि एक युग का अंत हो गया है। चीनी घुली वो, मखमली मीठी आवाज जो उम्र के आखिरी मुकाम तक जस की तस बनी रही बल्कि जवाँ होती रही सचमुच किसी वरदान से कम नहीं थी। इससे भी बढ़कर ये कहें कि दुनिया की उन चंद आवाजों में शुमार बल्कि सबसे बड़े लोकतंत्र और दूसरी आबादी वाली देश की ये महान गायिका ऐसी इकलौती हैं जिनके गीत चौबीसों घण्टे, अनवरत बिना रुके दुनिया भर में कहीं न कहीं अपनी मिठास घोलते रहते हैं। सच में लता मंगेशकर ने जो मुकाम हासिल किया वो बेहद बड़ा बल्कि सबसे ऊंचा था जिसके बाद क्या होता है कोई जानता नहीं है और जानने की कोशिश की।

अद्वितीय प्रतिभा की धनी लता जी की आवाज में जबरदस्त कशिश थी वो लाजवाब थी, मजाक में ही सही अक्सर इस बात पर भी चर्चाएँ सुनाई देतीं थी उनके गले पर रिसर्च होनी चाहिए।1969 में पद्म भूषण,1989 में दादा साहब फाल्के पुरस्कार 1999 में पद्म विभूषण, 2001 में भारत रत्न 2008 में भारत की स्वतंत्रता की 60 वीं वर्षगांठ पर ठवन टाइम अवार्ड फॉर लाइफटाइम अचीवमेंटठ सम्मान सहित न जाने कितने प्रतिष्ठित पुरस्कारों एवं सम्मानों से सम्मानित लता दीदी भारत की वो अनमोल रत्न थीं जो तीन पीढ़ियों से सारे देश पर अपनी आवाज से राज कर रहीं थीं और कोई नहीं जानता कि कितने सैकड़े बरस तक राज करती रहेंगी। उनकी सौम्यता और प्रतिभा पर सबको बेहद फक्र है। लता जी वो सितारा हैं जो नाशवान शरीर के रूप में भले ही हम से छिन गयी हो लेकिन अनंत में चमकते तारे के रूप में प्रकृति के साथ चमकती, दमकती रहेंगी। सच है कि एक सूरज, एक चाँद और एक ही लता मंगेशकर ने इस धरती पर अपनी आवाज का जादू बिखेरा। कहने को तो हमेशा यह नारा सुनाई देता है कि जब तक सूरज चाँद रहेगा लता दीदी तेरा नाम रहेगा। लेकिन लता जी के लिए यह हकीकत है। उनकी जगह कोई ले पाए यह मुमकिन नहीं और कोई दूसरी लता मंगेशकर दुनिया में आ पाए यह नामुमिकन है।

8 दशकों के अपने संगीत के सफर में लता ताई ने सुरों की वो माला गूथी और सुरों की जो बंदिगी की है वो बानगी है। अपने सुरों से ना सिर्फ प्लेबैक सिंगिंग को नये आयाम देने वाली बल्कि गायकों की तमाम पीढ़ियों को प्रोत्साहित करने वाली लता जी जन्म 28 सितंबर, 1929 को मध्यप्रदेश के इंदौर में एक मराठी परिवार में जन्मीं। जन्म के साथ उन्हें हेमा नाम दिया गया था लेकिन पिता को पसंद नहीं आया और उन्होंने नाम बदलकर लता रख दिया। उनके पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर मराठी रंगमंच से जुड़े थे। केवल 5 वर्ष की आयु में अपने पिता के साथ नाटकों में अभिनय किया और संगीत सीखने लगीं। जाने माने उस्ताद अमानत अली खां से भी शास्त्रीय संगीत सीखना शुरू किया लेकिन वो विभाजन में पाकिस्तान चले गए। तब अमानत खां से संगीत शिक्षा लीं। पंडित तुलसीदास शर्मा और उस्ताद बड़े गुलाम अली खां जैसी जानी मानी शख्सियतों से भी संगीत के गुर सीखे।

लता जी का शुरुआती सफर चुनौतियों से भरा हुआ था। बॉलीवुड में 1940 के दशक में प्रवेश के साथ वहाँ नूरजहां, शमशाद बेगम और जोहरा बाई अंबाले वाली जैसी वजनदार आवाजों के सामने उनकी महीन आवाज फीकी लगने लगी। लेकिन तब कौन जानता था कि इसी महीन आवाज की मल्लिका एक दिन दुनिया में अपना वो जादू ऐसा बिखेरेगी कि हर कोई उनकी आवाज का दीवाना भर नहीं बल्कि मुरीद होकर रह जाएगा। तब इसी आवाज के चलते उनके कई मौके बेकार गए क्योंकि उस समय बहुत से फिल्म प्रोडयूसरों और संगीत निर्देशकों को उनकी बहुत ऊंची और पतली आवाज पर भरोसा नहीं था। 1942 में 13 वर्ष की छोटी सी उम्र में सिर से पिता का साया उठने के बाद परिवार की जिम्मेदारी उन पर आ गई और एक बेहद कठिन इम्तिहान से गुजरना पड़ा। पूरा परिवार पुणे से मुंबई आ गया। जहाँ उन्हें फिल्मों में अभिनय से नापसंदगी के बावजूद परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी को उठाने की मजबूरी में अभिनय करना पड़ा।

1942 में 'कीर्ती हसाल' के लिए अपना पहला गाना गाया जो उनके पिता को पसंद नहीं आया और उन्होंने फिल्म से गाने को हटवा दिया। 1942 से 1948 के बीच लता ने लगभग आठ हिन्दी और मराठी फिल्मों में काम किया। आखिरकार 7 साल के संघर्ष के बाद वह दौर भी आया जब 1949 में फिल्म 'महल' के गाने 'आयेगा आने वाला ..' के बाद लता मंगेशकर बॉलीवुड में अपनी पहचान बनाने मे सफल हुईं। इसके बाद वह राजकपूर की फिल्म 'बरसात' के गाने 'जिया बेकरार है', 'हवा मे उड़ता जाए' जैसे गीत गाने के बाद बॉलीवुड में एक सफल पाश्र्वगायिका के रूप मे स्थापित हो गईं और फिर उनकी सफलता का परचम जैसे कदम चूमते हुए आसमान की उन ऊंचाइयों पर जा पहुँचा जहाँ पहुंच पाना किसी के लिए भी नामुमकि है। उन्होंने 36 भाषाओं में 30 हजार से ज्यादा गाने गाए हैं। 1991 में ही गिनीस बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने माना था कि वे दुनिया भर में सबसे अधिक रिकॉर्ड की गई गायिका हैं। लता मंगेशकर को मिले पुरुस्कारों की सूची इतनी बड़ी है कि वह पूरी हो जाए यह भी नामुमकिन सा है। देश-विदेश में संगीत और गायन के क्षेत्र में मिले अनगिनत पुरुस्कारों का अनवरत सा सिलसिला है। उनके पुरुस्कारों को यदि एक जगह संग्रहित किया जाए तो यह भारत की अनमोल विरासत वाला नया म्यूजियम होगा। आगे ऐसा ही हो यह उम्मीद की जा सकती है।

नेहरू जी के बारे में जाहिर था कि वो कभी सार्वजनिक तौर पर रोते नहीं दिखे और न किसी को देखना पसंद करते थे। 27 जनवरी 1963 को जब लता मंगेशकर ने राष्ट्रपति डॉ. एस राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की मौजूदगी में नेशनल स्टेडियम में ऐ मेरे वतन के लोगों.... गाना गाया तो नेहरू जी की आंखें छलक गईं। लता ताई को बस एक ही अफसोस ता-उम्र रहा कि रियाज में कभी भी कमीं नहीं करने वाली और बहुत छोटी सी उम्र में जिस शास्त्रीय संगीत को सीखा उससे वो दूर हो गईं। 1942 से 2015 तक के लंबे करियर में 1942 में आई मराठी फिल्म 'पहली मंगलागौर' में गाना गाया। हिंदी फिल्मों में उनकी एंट्री साल 1947 में फिल्म 'आपकी सेवा' के जरिए हुई। उन्होंने 80 साल के सिंगिंग करियर में अब तक 36 भाषाओं में करीब 30 हजार से ज्यादा गाने गाए हैं। साल 2015 में लता जी ने आखिरी बार निखिल कामत की फिल्म 'डुन्नो वाय 2' में गाना गाया था। अजीब दास्तां है ये..., अल्लाह तेरो नाम..., होठों पे ऐसी बात...,कितनी अकेली कितनी तन्हा..., आप की नजरों ने समझा..., मेरा साया..., तस्वीर तेरे दिल में, बिन्दिया चमकेगी...., इन्हीं लोगों ने ले लीना दुपट्टा मेरा..., बीती न बिताई..., रूठे-रूठे पिया.... ऐसे न जाने कितने गीत हैं जिन्हें समेटने में ही कई पुस्तकें भर जाएँगी। यह तो सच है समूची दुनिया में इस वक्त भी लता जी के गीत गुनगुनाए और सुने जा रहे हैं। बस नहीं है तो वो खुद जो अनंत में विलीन होकर भी अपनी मंत्रमुग्ध आवाज को सुन आनन्दित हो रही होंगी और ईश्वर भी इस नायाब कोहिनूर को अपने श्री चरणों में पा चकित तो होगा। शास्वत सत्य है कि लता जी को काल के क्रूर हाथों ने हम से छीन लिया। दुनिया को हिला कर रख देने वाली महामारी कोविड से भारत के लिए परमात्मा का वरदान भारत रत्न स्व. लता मंगेशकर पर समूचे देश को है, था और रहेगा अभिमान। लोग तड़प कर रह गए। खामोश, शांत लेकिन गरिमामय विदाई और मुंबई के प्रख्यात शिवाजी पार्क में पंचतत्वों में विलीन हो समाधिस्थ लता जी की हमेशा गूंजने वाली आवाज अब हर रोज उनकी याद और श्रध्दांजलि होगी। (लता जी को श्रध्दाँजलि स्वरूप) (लेखक-ऋतुपर्ण दवे / ईएमएस)

''इश्क वाली फरवरी''

कहते है इश्क करने का कहाँ कोई मौसम होता है, इश्क तो इश्क है जनाब अपने आप हो जाता है पर जिंदगी की खूबसूरती को जीने में भला क्या नुकसान है तो क्यों न गृहस्थ जीवन में भी इश्क वाली फरवरी का खुले दिल से स्वागत करें। जिंदगी की खूबसूरती को जीने में भला क्या नुकसान है। अपने इश्क का इजहार करने में भला संकोच कैसा। जिंदगी में छोटे-छोटे लमहों को चुराकर यादगार लड़ियों को संजोना ही जिंदगी है। कभी-कभी हमारी गृहस्थी वाली जिंदगी थोड़ी उबाऊ हो जाती है तो क्यों न इसी बहाने यादों के सुनहरे रंग भरने की छोटी सी कोशिश करें। अचानक गिफ्ट का मिलना किसे प्रिय नहीं होता और यह तोहफा आपके जीवनसाथी की पसंद का हो तो बात कुछ अलग ही हो जाती है। यह तोहफा सारे गीले शिकवे को न्यून कर देता है। इसलिए चोखट पर दस्तक दे रही इश्क वाली फरवरी का खुलकर आनंद ले। हसरतों से यादगार हुई जनवरी को अलविदा कहते हुए इस यादगार फरवरी का पूरा लुत्फ उठाएँ।

बहुत से लोगों का मत होता है की यह सब पाश्चात्य संस्कृति का दिखावा है परंतु प्रेम की अभिव्यक्ति कोई दिखावा नहीं है। प्रेम की तो साक्षात ईश्वर भी पूजा करते है इसलिए कृष्ण से पहले राधा का नाम उच्चारित किया जाता है। कृष्ण और राधा के अलौकिक प्रेम की तो दुनिया दीवानी है। श्रीराम ने सीता के प्रति अनन्य प्रेम के लिए क्या कुछ नहीं किया। सती के प्रेम में तो शिव ने रौद्र रूप धारण कर लिया था। वहीं पार्वती का शिव के प्रति अडिग तपस्या से सुशोभित हुआ। जब भक्त और भगवान की बात होती है तो केवल प्रेम को ही महत्व दिया जाता है। अतः इश्क भी एक खूबसूरत एहसास है जिसकी मीठी यादें मन को प्रफुल्लित कर जाती है। क्यों न पति-पत्नी भी अपने रिश्ते की खूबसूरती और महक को बरकरार रखें। कुछ क्षण यह एहसास दिलाना की तुम्हारे होने से मेरे जीवन की बगियाँ कितनी खूबसूरत है। पति-पत्नी का रिश्ता तो आकर्षण और प्रेम से शुरू होकर अंततः करुणा में परिवर्तित हो जाता है। प्रेम तो प्रेरणा का भी एक रूप है। सच्चा प्रेम तो इंसान को नई ऊर्जा और उत्साह भी देता है। इस कोरोना काल में आपकी पत्नी ने दिन-रात चार दिवारी में रहते हुए आपकी सेवा की है तो क्यों न इश्क वाली फरवरी में छोटे से प्रयास से उसके चेहरे पर मुस्कान लाने की कोशिश की जाए। यह यादगार पल अकेले बैठने और आपसे जुदा होने पर भी आपके साथी को सदैव आपके समीप रखेंगे।

कभी-कभी भावनाओं की अभिव्यक्ति इंसान के जीवन की रिक्तता को दूर कर देती है। प्रभु ने स्वयं ईश्वरीय अवतार में प्रेम का महत्व जनसामान्य को समझाया है। इसलिए अपनी छोटी-छोटी भावनाओं की अभिव्यक्ति से सुनहरी यादों को सँजोने का प्रयास करें।

इश्क वाली फरवरी का करते है स्वागत।
प्रेम की अभिव्यक्ति में नहीं लगती कोई लागत?
राधे कृष्ण का अलौकिक प्रेम तो है सर्वत्र चर्चित।

कभी-कभी इश्क का इजहार भी करता है विस्मित।। (लेखिका-डॉ. रीना रवि मालपानी / ईएमएस)

दैनिक पंचांग

07 फरवरी 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

सोमवार 2022 वर्ष का 38 वां दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2078 **शक संवत्** 1943 **मास** माघ **पक्ष** शुक्ल **तिथि** सप्तमी 06.17 बजे प्रातः को समाप्त। **नक्षत्र** अश्विनी 18.59 बजे को समाप्त। **योग** शुभ 16.43 बजे को समाप्त। **करण** गर 17.22 बजे तदनन्तर वणिज 06.17 बजे प्रातः को समाप्त। **चन्द्रायु** 05.8 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 15° 23' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871152 **जूलियन दिन** 2459617.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2548 **हिजरी सन्** 1443 **महीना** रज्जब **तारीख** 05 **विशेष** रथ सप्तमी, ब्रह्म सावर्णि मन्वादि, नर्मदा जयंती।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर में	कुंभ	07.01 बजे से
चंद्र	मेष में	मीन	08.34 बजे से
मंगल	धनु में	मेष	10.04 बजे से
बुध	मकर में	वृष	11.44 बजे से
गुरु	कुंभ में	मिथुन	13.42 बजे से
शुक्र	धनु में	कर्क	15.56 बजे से
शनि	मकर में	सिंह	18.12 बजे से
राहु	वृष में	कन्या	20.24 बजे से
केतु	वृश्चिक में	तुला	22.34 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		वृश्चिक	00.49 ब.से
		धनु	03.05 बजे से
		मकर	05.10 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

गाय : धर्म के नाम पर अधर्म का व्यवसाय ?

गौपालन को हमारे देश में शताब्दियों से 'गौधन' अथवा 'पशुधन' के रूप में देखा जाता रहा है। खेती किसानी करने वालों के लिये तो गौपालन कृषि के सहयोगी व्यवसाय का एक प्रमुख हिस्सा माना जाता था। परन्तु खेती बाड़ी में भी आधुनिक व उन्नत कृषि साधनों के बढ़ते प्रयोग के चलते धीरे धीरे गाय-बैलों का इस्तेमाल कम होता गया। हल-बैल की जगह ट्रैक्टर्स ने ले ली, बैलगाड़ी की जगह ट्रैक्टर ट्रॉलियां चलने लगीं,तो ज़ाहिर है गोवंश के महत्व व उसकी उपयोगिता में कमी आ गयी। परन्तु इसी के साथ साथ गोवंश का हिन्दू धर्म में धार्मिक महत्व होने के चलते यहाँ तक कि हिन्दू धर्म में गाय को 'माता' के रूप में स्वीकार किये जाने के चलते इसके प्रति आम हिन्दुओं की धार्मिक भावनायें भी जुड़ी हुई हैं। और भावनाओं की राजनीति करने में देश की सबसे माहिर भारतीय जनता पार्टी इस तरह के मुद्दों को न केवल भुनाती आई है बल्कि गौवंश की सुरक्षा के नाम पर अपने विपक्षियों पर भी हमलावर होती रही है।

परिणाम स्वरूप जिस तरह पिछले दिनों भोपाल के निकट बैरसिया तहसील में कथित रूप से एक भाजपा नेत्री की गोशाला में व इसके इर्द गिर्द के खुले मैदान एवं खेतों में सैकड़ों गायों के सड़ते हुये शव व गोवंश के कंकाल पाये गये हैं इसी तरह की अनेकानेक घटनायें भाजपा व सत्ता के संरक्षण में चलने वाली अनेक गौशालाओं में पहले भी हो चुकी हैं।सत्ता संरक्षण में चलने वाली इन गौशालाओं में पाई जाने वाली अनियमिता,भ्रष्टाचार व क्रूरता के बावजूद सरकार पर ऐसे गौशाला संचालकों को बचाने व इनका सहयोगी बनने का भी आरोप लगता रहा है। इसका केवल एक ही कारण है कि गौमाता का बखान करने व इसे गौमाता के रूप में आम लोगों की भावनाओं से जोड़ने वाली भाजपा व इसकी सरकारों में गौवंश संरक्षण के लिये न तो कोई स्पष्ट नीति है न ही नीयत। देश के अधिकांश राज्यों विशेषकर उत्तर भारत के राज्यों में किसान छुट्टा व बेलगाम घूमने वाले इन पशुओं से कितना परेशान हैं यह वही जानते हैं। एक तरफ़ तो घाटे की खेती बाड़ी करता किसान,बीज,बिजली,तेल, खाद आदि की आसमान छूती क़ीमतों के बावजूद केवल खेती की परंपरा निभाता छोटा व मध्यम किसान अपनी फ़सल को इन बेलगाम छुट्टा पशुओं से बचाने के लिये दिन-रात कैसे अपनी फ़सल की रखवाली करता है यह उस राजनैतिक वर्ग को नहीं पता जो गाय के नाम का प्रयोग केवल हिन्दू समाज के लोगों की भावनाओं को भड़काने के लिये करते हैं। छुट्टा गौवंश से जो किसान दुखी हैं या जिनकी तैयार फ़सलें ये पशु चर जाते हैं वे भी तो अधिकांशतः हिन्दू ही हैं? वे भी तो गाय को माता ही मानते हैं ?

सरकार की गौवंश के प्रति अदूरदर्शी नीतियों का ही परिणाम है कि आज प्रतिदिन पूरे देश में सैकड़ों दुर्घटनायें इन्हीं छुट्टे जानवरों के कारण हो रही हैं। कई बार भीड़ भरे चौराहों व सड़कों पर सांडों का संघर्ष होते व इसके कारण कारों व अन्य वाहनों को दुर्घटनाग्रस्त होते व टूटते देखा गया है। सड़कों व चौराहों के बीचोबीच बैठना इन जानवरों की फ़ितरत है जिसका ख़ामियाज़ा आम लोगों को भुगतना पड़ता है। कई राज्यों में सरकार ने बिजली के मीटर घरों के बाहर और अधिकांशतयः बिजली के खंबों पर ही लगवा दिये हैं। प्रायः गोवंश इन बिजली मीटरों से अपनी सींग व सिर रगड़ते दिखाई देते हैं। नतीजतन बिजली के मीटर तो क्षतिग्रस्त होते ही हैं साथ साथ इन पशुओं को करेंट लगने का ख़तरा भी बना रहता है।परन्तु तथाकथित गौवंश प्रेमियों की नज़र इस ज़मीनी हक़ीक़त की ओर कभी नहीं जाती। देश और राज्यों की राजधानियों में बैठ कर गाय के प्रति प्रेम दर्शाने वालों को उन करोड़ों किसानों से इस समस्या को लेकर भुक्तभोगी देशवासियों से भी तो संवाद स्थापित करना चाहिये।

वैसे भी केंद्र सरकार का गोवंश प्रेम उस समय और भी हास्यास्पद प्रतीत होता है जब गौमाता के संरक्षण का दावा करने वाली इसी सरकार के गृह राज्य मंत्री किरण रिजुजू गौ भक्षण की पैरवी करते हों और स्वयं भी गौमांस खाने की बात सार्वजनिक रूप से स्वीकार करते हों। ग़ौर तलब है कि जब केंद्रीय मंत्री मुख़्तार अब्बास ने संभवतः अपने आक़ाओं को ख़ुश करने के लिये अपने एक बयान में यह कहा था कि- 'अगर कुछ लोग बीफ़ खाने के लिए मरे जा रहे हैं तो यहां (भारत में) उन्हें यह नहीं मिलेगा। वे पाकिस्तान, किसी अरब देश या दुनिया के अन्य किसी भी हिस्से में जाकर बीफ़ खा सकते हैं।' नक़वी के इसी 'निर्देश' का जवाब इसी मंत्रिमंडल के गृह राज्य मंत्री किरण रिजुजू ने इन शब्दों में दिया था कि - 'मैं गोमांस खाता हूं, क्या कोई मुझे ऐसा करने से रोक सकता है'। गृह राज्य मंत्री ने उसी समय यह भी कहा था कि -'हमें एक दूसरे की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश में सभी लोगों की संस्कृति, परंपराओं, आदतों और भावनाओं का सम्मान किया जाना चाहिए। इस मुद्दे को लेकर ज़्यादा संवेदनशील होने की ज़रूरत नहीं है। हमारा देश लोकतांत्रिक है, कभी-कभार कुछ लोग ऐसे बयान देते हैं, जो स्वीकार्य नहीं'। नक़वी को दिये गये किरण रिजुजूके इस जवाब से तो यह स्पष्ट हो ही जाता है कि राष्ट्रीय गौनीति को लेकर ही सरकार में मतभेद स्पष्ट है।

पिछले दिनों दिल्ली विश्वविद्यालय से संबध दिल्ली के प्रसिद्ध व प्रतिष्ठित हंसराज कॉलेज के सैकड़ों छात्रों द्वारा केंद्र सरकार की नीतियों के विरुद्ध इसलिये प्रदर्शन किया गया क्योंकि सरकार हंसराज कॉलेज में महिला छात्रवास हेतु चिन्हित किये गये स्थान पर गौशाला व गौ अनुसन्धान केंद्र खोलने की योजना बना रही है। प्रदर्शनकारी छात्रों का कहना है कि सरकार की प्राथमिकता छात्राओं के लिये छात्रावास होना चाहिये न कि विश्वविद्यालय परिसर में गौशाला व गौ अनुसन्धान। परन्तु सरकार की योजनाओं में गौशाला व गौ अनुसन्धान केंद्र व साथ साथ गऊ से प्राप्त सामग्री से हवन-पूजा आदि करने जैसे प्रावधान भी शामिल हैं। सरकार द्वारा गौवंश प्रेम का ढिंढोरा पीटना और साथ ही इसे लेकर दोहरी नीति अपनाना साथ साथ गाय के नाम पर लोगों की भावनाओं को भड़काकर उसका राजनैतिक लाभ उठाना और गोशाला व गौपालन के नाम पर राष्ट्रव्यापी लूट करने वालों को कथित रूप संरक्षण देना इस नतीजे पर पहुँचने के लिये काफ़ी है कि यह सब धर्म के नाम पर हो रहा अधर्म का व्यवसाय मात्र ही है ? (लेखिका-निर्मल रानी / ईएमएस)

आज का इतिहास 7 फरवरी

1478 ब्रिटेन के लार्ड चांसलर व लेखक सर थामस मूर का जन्म.
1554 सर थामस मूर के नेतृत्व में फौजों ने लंदन मार्च किया.
1793 आस्ट्रिया और प्रसिया ने फ्रांस के खिलाफ समझौता किया.
1816 साइमन बोलिवार ने हैतो से वेनेजुएला पर हमला किया.
1812 अंग्रेजी भाषा के उपन्यासकार चार्ल्स डिकेन्स का जन्म.
1831 बेल्जियम में नवा संविधान लागू हुआ.
1856 अवध के नवाब वाजिद अली शाह को गद्दी छोड़नी पड़ी और कंपनी ने शासन संभाल लिया.
1885 अमरीकी लेखक सिंक्लेयर लेविस का जन्म.
1920 सोवियत कम्युनिस्टों ने एडमिरल अलेक्जैंडर कोलचाक को मौत के घाट उतार दिया.
1932 बेल्जियम और नीदरलैंड्स के बीच आर्थिक सहयोग समझौता.
1947 फलीस्तीन को अरब और यहूदी क्षेत्र में विभाजन का ब्रिटिश प्रस्ताव दोनों पक्षों ने अस्वीकार कर दिया.
1962 जर्मनी में कोयला खान दुर्घटना में 291 व्यक्ति मारे गए.
1969 नाइजीरिया के लड़ाकू विमानों ने बियाफर पर बमबारी की जिससे दो सौ से अधिक लोग मारे गए.
1999 अनिल कुम्बले ने दिल्ली में पाकिस्तान के खिलाफ एक पारी में सभी 10 विकेट लेकर इतिहास रचा.
2001 प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी की अध्यक्षता में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन समिति का गठन.
2003 गोधरा कांड का सूत्रधार मौलाना उमर गिरफ्तार.
2005 कश्मीर में बर्फबारी के दौरान 9 जवानों सहित 12 मरे.

शब्द पहेली - 7190

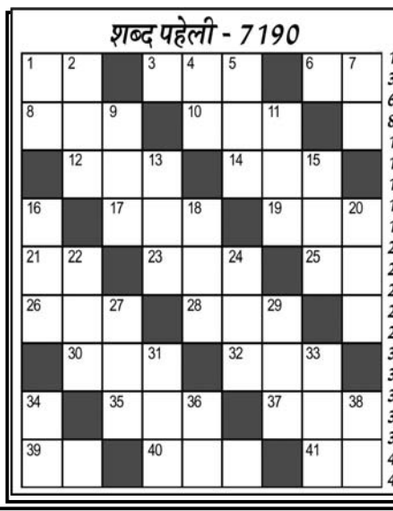

बाएँ से दाएँ

1.अधिकार-2
3.समुद्र,दरिया-3
6.आनंद,रस-2
8.दबाना,कुचलना-3
10.गुंडा,बदमाश-3
12.पासों से भविष्य जानना-3
14.नाप जोख करना-3
17.जलजला-3
19.असफल-3
21.मगन,रत-2
23.व्यक्ति,जीव-3
25.सम्राट,नरेश-2
26.कार्य करने वाला-3
28.उपनदी,कैनाल-3
30.मां का प्रेम-3
32.पढ़ना,अध्ययन-3
35.पक्षाघात,फालिज-3
37.सेनापति-3
39.दूल्हा,वरदान-2
40.पक्ष,एक ओर-3
41.भीगा हुआ

ऊपर से नीचे

1.सीमा,सरहद-2
2.कटि,मध्यांग-3
4.दुख,कष्ट-2
5.गमन,विदा होना-3
7.शराब का प्याला-2
9.एक नमकीन लवण-3
11.आलेप करना-3
13.बोलने का तरीका-3
15.अयोग्य,बेकार-3
16.तहजीब,तमीज-3
18.रत्न,बहुमूल्य नग-3
20.व्यंग,परिहास-3
22.मुलायम,नाजुक-3
24.कॉफी-3
27.पंकज,नीरज,जलज-3
29.निर्माण-3
31.बल,दम,जोर-3
33.नेत्र,आंख-3
34.नौका-2
36.घात,प्रहार-2
38.जरा,थोड़ा-2

शब्द पहेली -7189 का हल

ब	द	न	■	चा	त	क	■	त
■	र्श	क	ल	ह	■	र	वा	
त	न	■	ह	■	खा	लि	स	■
क	■	का	र	खा	ना	■	भ	■
त	री	का	■	वि	■	श	रा	रा
■	मौ	■	अ	द	र	क	■	ज
■	से	ह	रा	■	ह	■	आ	न
जा	न	■	ज	ही	न	■	स	■
म	■	म	क	र	■	स	न	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

टीम इंडिया ने जीत के साथ दी दीदी को श्रद्धांजलि, पहले वनडे में वेस्टइंडीज को 6 विकेट से हराया

अहमदाबाद (ईएमएस)। क्रिकेट को बेहद पसंद करने वाली स्वर कोकिला लता मंगेशकर को टीम इंडिया ने वेस्टइंडीज को पहले वनडे मैच में 6 विकेट से हराकर जीत के साथ श्रद्धांजलि अर्पित की. अपने 1000वें मैच में जीत हांसिल कर टीम इंडिया ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त भी बना ली है। मैच शुरू होने से पहले टीम इंडिया के खिलाड़ियों ने लता मंगरेशकर के सम्मान में 2 मिनट का मौन भी रखा।

टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की टीम 43.5 ओवर में 176 रन पर ऑल आउट हो गई। युजवें

घरेलू कारकों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

नई दिल्ली (ईएमएस)। इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में काफी उतार-चढ़ाव रहने के आसार ?दिखाई दे रहे हैं। सप्ताह के दौरान बाजारों की दिशा रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा और कुछ बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा बाजार के निवेशकों की निगाह रुपए के उतार-चढ़ाव, ब्रेंट कच्चे तेल के दाम और विदेशी संस्थागत निवेशकों के रुख पर भी रहेगी। ?विश्लेषकों ने कहा ?कि महत्वपूर्ण घटनाक्रमों के बीच बाजार भागीदारों की नजर इस सप्ताह मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की नीतिगत समीक्षा बैठक पर होगी। इसका बैठक के नतीजें नौ फरवरी को आएंगे। इसके अलावा वृहद आर्थिक मोर्चे पर 11 फरवरी को औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) के आंकड़े आने हैं। सप्ताह के दौरान भारती एयरटेल, जिंदल स्टील, एसीसी, हीरो मोटोकॉर्प, टाटा पावर, हिंडाल्को और महिंद्रा एंड महिंद्रा सहित कई बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजे भी आएंगे। उन्होंने कहा ?कि बाजारों में उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है, जो वैश्विक रुझानों के अनुरूप है। यह निकट भविष्य में भी जारी रह सकता है। सप्ताह के दौरान टीवीएस मोटर कंपनी, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, आईआरसीटीसी, एनएमडीसी और सेल भी अपने तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी। इस हफ्ते घरेलू संकेतक बाजार को दिशा देंगे। सभी की निगाह नौ फरवरी को रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा बैठक के नतीजों पर रहेगी। इसके अलावा कंपनियों के तीसरी तिमाही के नतीजे बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेंगे। शुक्रवार को आईआईपी की घोषणा होगी। हालांकि यह आंकड़ा बाजार बंद होने के बाद जारी ?किया जाएगा।

बिक्री बुकिंग के लिए सबसे अच्छी रहेगी जनवरी-मार्च की तिमाही : गोदरेज प्रॉपर्टीज

नई दिल्ली (ईएमएस)। आधारभूत क्षेत्र में कार्यरत निजी क्षेत्र की कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज ने चालू तिमाही में रिकॉर्ड बिक्री बुकिंग होने की उम्मीद जताई है। कंपनी ने कहा है कि मजबूत मांग के बीच और करीब 10 नई आवासीय परियोजनाओं की शुरुआत के चलते उसकी बिक्री बुकिंग 2,632 करोड़ रुपये के पिछले उच्चस्तर को पीछे छोड़ देगी। गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड (जीपीएल) के कार्यकारी चेयरमैन पिरोजशा गोदरेज ने कहा कि कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के बाद दिल्ली-एनसीआर समेत सभी प्रमुख शहरों में आवास बाजार में मजबूत पुनरुद्धार हुआ है। तीसरी तिमाही में जीपीएल की बिक्री बुकिंग चार फीसदी वृद्धि के साथ 1,541 करोड़ रुपये रही है। हालांकि, कंपनी ने चालू वित्त वर्ष की जनवरी-मार्च तिमाही में प्रदर्शन के मजबूत रहने की उम्मीद जताई।

पिरोजशा ने कहा, 'कई नई परियोजनाओं को शुरू करने में देरी हुई। पिछली तिमाही में हम केवल तीन परियोजनाएं शुरू कर पाए, जबकि इस तिमाही में हम दस परियोजनाएं शुरू करेंगे जिससे यह एक अहम तिमाही होगी।' उन्होंने उम्मीद जताई कि चालू तिमाही में 2,700 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग का आंकड़ा भी पार हो जाएगा। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीने के दौरान कंपनी ने 4,613 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग की है जो पिछले वर्ष के मुकाबले 13 प्रतिशत अधिक है। पिछले हफ्ते जीपीएल ने बताया था कि दिसंबर, 2021 में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ करीब तिगुना होकर 38.95 करोड़ रुपये हो गया।

गोल्ड ईटीएफ को बीते साल मिला 4,814 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली (ईएमएस)। ऊंची मुद्रास्फीति तथा बाजार मूल्यांकन बढ़ने की वजह से गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) को बीते साल 2021 में 4,814 करोड़ रुपए का निवेश मिला है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों यह जानकारी मिली है। हालांकि, बीते साल गोल्ड ईटीएफ में निवेश का प्रवाह 2020 के 6,657 करोड़ रुपए से कम रहा है। वैश्विक पुनरुद्धार और बेहतर निवेशक धारणा से महामारी के साल की तुलना में 2021 में गोल्ड ईटीएफ के प्रवाह में गिरावट आई है। क्वांटम म्यूचुअल फंड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जिमी पटेल ने कहा कि महंगाई और फेडरल रिजर्व के रुख की वजह से 2022 में भी गोल्ड ईटीएफ का आकर्षण कायम रहने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, हालांकि अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा मौद्रिक नीति को कड़ा करने से डॉलर और अमेरिका में बांड पर प्रतिफल बढ़ेगा, जो सोने के लिए बाधक हो सकता है। 2020 में गोल्ड ईटीएफ में निवेश का प्रवाह बढ़ने की प्रमुख वजह कोविड-19 महामारी थी। इसके अलावा मौद्रिक रुख में नरमी और वैश्विक स्तर पर ब्याज दरों में कमी से भी सोने में निवेश फायदे का सौदा था। बीते साल सिर्फ जुलाई महीने में गोल्ड ईटीएफ से निकासी देखने को मिली। जुलाई में निवेशकों ने गोल्ड ईटीएफ से 61.5 करोड़ रुपए निकाले। निवेश के प्रवाह के बीच दिसंबर 2021 तक स्वर्ण कोषों के प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां 30 प्रतिशत बढ़कर 18,405 करोड़ रुपए पर पहुंच गईं, जो एक साल पहले 14,174 करोड़ रुपए पर थीं।

भारतपे ने कहा- प्रशासनिक समीक्षा और बोर्ड की बैठकों की गोपनीयता बनाए रखी जाए

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतपे के सह-संस्थापक अशनीर ग्रोवर ने कहा ?कि बोर्ड के सदस्यों की ईमानदारी पर सवाल उठाना और तथ्यों को गलत तरीके से पेश करना पीड़ादायक है। गौरतलब है कि ग्रोवर कथित धोखाधड़ी, अभद्र व्यवहार और कॉरपोरेट प्रशासन के मुद्दों पर जांच का सामना कर रहे हैं, जिसके बाद उन्होंने आक्रामक रुख अपनाया। भारतपे ने कहा ?कि बोर्ड ने कंपनी के सर्वोत्तम हित में अपने सभी कार्यों में उचित प्रक्रिया का पालन किया है। हम आग्रह करेंगे कि प्रशासनिक समीक्षा और बोर्ड की बैठकों की गोपनीयता और अखंडता को बनाए रखा जाए। ग्रोवर इस समय लंबी छुट्टी पर हैं और कोटक महिंद्रा बैंक के साथ उनका विवाद सामने आने के बाद भारतपे की स्वतंत्र समीक्षा की जा रही है। ऐसे में कंपनी के कामकाज से जुड़े कई मामले सामने आ सकते हैं। दरअसल जनवरी की शुरुआत में आए एक ऑडियो क्लिप में ग्रोवर कथित तौर पर कोटक महिंद्रा बैंक के एक कर्मचारी को फोन पर धमकाते हुए सुनाई दिए थे। वह नायका के आईपीओ के दौरान शेयर आवंटन में बैंक की तरफ से गड़बड़ी के आरोप लगाते हुए सुनाई दिए थे। बाद में ग्रोवर ने कथित तौर पर यह कहा कि छुट्टी पर जाने के लिए कंपनी के निवेशकों ने उन पर दबाव बनाया और उनका सीईओ समीर सुहैल पर से भरोसा उठ गया है। भारतपे ने कहा ?कि हमें इस बात का गहरा दुख है कि भारतपे के बोर्ड या बोर्ड के सदस्यों की ईमानदारी पर बार-बार गलत तथ्यों और निराधार आरोपों के जरिए सवाल उठाए जा रहे हैं। कंपनी ने मीडिया सहित सभी से संयम बरतने का अनुरोध किया।

भारत को 2023 में मिलेगा अपना 'डिजिटल रुपया, इसके साथ जुड़ी होगी 'सरकारी गारंटी'

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत को अपनी आधिकारिक डिजिटल मुद्रा 2023 की शुरुआत में मिल सकती है। यह मौजूदा समय में उपलब्ध किसी निजी कंपनी के संचालन वाले इलेक्ट्रॉनिक वॉलेट जैसी ही होगी, लेकिन इसके साथ 'सरकारी गारंटी' जुड़ी होगी। एक शीर्ष सरकारी सूत्र ने यह जानकारी दी है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले सप्ताह वित्त वर्ष 2022-23 का बजट पेश करते हुए कहा था कि जल्द केंद्रीय बैंक के समर्थन वाला 'डिजिटल रुपया' पेश किया जाएगा। इस सूत्र ने अपना नाम न छापने की शर्त पर बताया कि रिजर्व बैंक द्वारा जारी डिजिटल मुद्रा में भारतीय करेंसी की तरह विशिष्ट अंक होंगे। यह 'फ्लैट' मुद्रा से भिन्न नहीं होगी। यह उसका डिजिटल रूप होगा। एक प्रकार से कह सकते हैं कि यह सरकारी गारंटी वाला डिजिटल वॉलेट होगा। डिजिटल मुद्रा के रूप में जारी इकाइयों को चलन में मौजूद मुद्रा में शामिल किया जाएगा। सूत्र ने बताया कि केंद्रीय बैंक ने संकेत दिया है कि डिजिटल रुपया अगले वित्त वर्ष के अंत तक तैयार हो जाएगा। रिजर्व बैंक द्वारा विकसित डिजिटल रुपया ब्लॉकचेन सभी तरह के लेनदेन का पता लगाने में सक्षम होगा। निजी कंपनियों के मोबाइल वॉलेट में फिलहाल यह प्रणाली नहीं है।

सूत्र ने इसे समझाते हुए कहा कि निजी कंपनियों के इलेक्ट्रॉनिक वॉलेट का इस्तेमाल करते हुए लोग अभी पैसा निजी कंपनियों को हस्तांतरित करते हैं। यह पैसा उनके पास रहता है और ये कंपनियां किसी लेनदेन पर ग्राहकों की ओर से मर्चेंट यानी दुकानदारों आदि को भुगतान करती हैं। वहीं डिजिटल रुपए के मामले में लोगों के पास डिजिटल मुद्रा फोन में रहेगी और यह केंद्रीय बैंक के पास होगी। केंद्रीय बैंक के पास से इसे किसी दुकानदार आदि को स्थानांतरित किया जाएगा। इसपर पर पूरी तरह सरकार की गारंटी होगी।

सूत्र ने कहा कि जब पैसा किसी कंपनी के ई-वॉलेट में स्थानांतरित किया जाता है, तो उस कंपनी का क्रेडिट जोखिम भी इस पैसे से जुड़ा होता है। इसके अलावा ये कंपनियां शुल्क भी लगाती हैं। सूत्र ने कहा इस वॉलेट को लेकर चलने के बजाय मैं पैसा अपने फोन में रखना चाहूंगा।

फुटवियर एवं चमड़ा विकास कार्यक्रम को जारी रखने की मिली मंजूरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्रालय ने भारतीय फुटवियर एवं चमड़ा विकास कार्यक्रम (आईएफएलडीपी) को जारी रखने की मंजूरी देते हुए इसके लिए 1,700 करोड़ रुपए का वित्तीय आवंटन किया है। मंत्रालय ने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 19 जनवरी की बैठक में आईएफएलडीपी को 31 मार्च 2026 तक जारी रखने के प्रस्ताव पर मुहर लगाई थी। इस कार्यक्रम की समीक्षा किए जाने पर पहले ही इसकी अवधि खत्म हो जाएगी। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्रालय ने चमड़ा क्षेत्र के लिए ढांचागत विकास के मकसद से यह कार्यक्रम शुरू किया है। इस क्षेत्र में नया निवेश आकर्षित करने, रोजगार सृजन और उत्पादन बढ़ाने के लिए आईएफएलडीपी शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम के तहत कुछ उप-योजनाएं भी शुरू की जाएंगी। इनमें टिकाऊ प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरणीय प्रोत्साहन, चमड़ा क्षेत्र के एकीकृत विकास, संस्थागत सुविधाओं के गठन और ब्रांड प्रोत्साहन की योजनाएं शामिल हैं।

पिछले पांच वर्षों में लगातार देश की जीडीपी ग्रोथ में आई गिरावट: कौशिक बसु

- महामारी और देशव्यापी लॉकडाउन के कारण आर्थिक गतिविधियां प्रभावित होने से ?विकास दर पर पड़ा असर

नई दिल्ली (ईएमएस)। विश्व बैंक के पूर्व मुख्य अर्थशास्त्री कौशिक बसु ने एक ट्वीट कर कहा कि पिछले पांच वर्षों से लगातार देश की जीडीपी ग्रोथ रेट में गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि 1947 के बाद से ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। बसु ने कहा कि आंकड़ों को कोई झुठला नहीं सकता। बसु ने ट्वीट में पिछले पांच वित्त वर्ष के देश की जीडीपी ग्रोथ के आंकड़े भी दिए। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2016-17 में जीडीपी ग्रोथ रेट 8.2 फीसद रही थी। इसके बाद 2017-18 में यह 7.2 फीसदी, 2018-19 में 6.1 फीसदी, 2019-20 में 4.2 फीसदी और 2020-21 में -7.3 फीसदी रही। उन्होंने कहा कि हर वित्त वर्ष की ग्रोथ रेट पिछले वित्त वर्ष से कम है। दरअसल कोरोना महामारी ने भारत ही नहीं, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान महामारी और देशव्यापी लॉकडाउन के कारण आर्थिक गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित हुई थीं। जिसके चलते इस दौरान देश की विकास दर -7.3 फीसद दर्ज हुई।

गौरतलब है ?कि हाल ही में पेश हुए इकॉनोमिक सर्वे में मौजूदा वित्त वर्ष 2021-22 के लिए भारत की विकास दर 9.2 फीसद रहने का अनुमान लगाया गया है, जो कि विश्व में सबसे अधिक होगी। सर्वे के अनुसार आर्थिक गतिविधियों के महामारी से पहले के स्तर पर लौट आने के चलते ऐसा होगा। वहीं वित्त वर्ष 2022-23 के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट 8 से 8.5 फीसद के बीच रहने का अनुमान लगाया गया है। बसु ने हाल ही में देश में बढ़ती महंगाई को लेकर भी चेताया था। बसु ने कहा था कि भारत की समग्र वृहद आर्थिक स्थिति में सुधार हो रहा है, लेकिन विकास शीर्ष स्तर पर ही केंद्रित है, जो एक चिंताजनक ट्रेंड है। बढ़ी हुई खुदरा महंगाई को लेकर उन्होंने कहा कि देश महंगाई जनित मंदी से जूझ रहा है और इससे निपटने के लिए बहुत सावधानी बरतते हुए नीतिगत फैसले लेने होंगे। बता दें कि बसु इस समय यूएस में कॉर्नेल यूनिवर्सिटी में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर हैं।

फरवरी में चार सत्रों में भारतीय बाजारों से एफपीआई ने 6,834 करोड़ रुपए की निकासी की

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के शेयर बाजार में एफपीआई लगातार चार माह से शुद्ध बिकवाल बने हुए हैं। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने फरवरी के पहले चार कारोबारी सत्रों में भारतीय बाजारों से 6,834 करोड़ रुपये की निकासी की है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने इस दौरान शेयरों से 3,627 करोड़ रुपये और ऋण या बांड बाजार से 3,173 करोड़ रुपये निकाले हैं। विशेषज्ञों ने कहा, 'अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने बेहद नरम मौद्रिक नीति रुख को समाप्त करने का संकेत दिया है। उसके बाद से एफपीआई की बिकवाली काफी तेजी से बढ़ी है।' उन्होंने कहा कि इसके अलावा ब्याज दरों में बढ़ोतरी की उम्मीद के बीच वैश्विक स्तर पर बांड प्रतिफल भी बढ़ा है। इसके चलते निवेशक जोखिम वाली संपत्तियों में निवेश घटा रहे हैं और सोने जैसे निवेश के सुरक्षित पनाहगाह की ओर रुख कर रहे हैं।

श्रीवास्तव ने कहा कि घरेलू मोर्चे पर वृद्धि केंद्रित बजट की वजह से निकासी पर कुछ अंकुश लगा है, लेकिन बजट के विदेशी कोषों के प्रवाह पर असर का अनुमान आगामी कुछ सप्ताहों में स्पष्ट हो सकेगा। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा, 'एफपीआई ने बैंक और आईटी शेयरों में भारी बिकवाली की है। वहीं उन्होंने धातु शेयरों में लिवाली की है।' कोटक सिक्योरिटीज के इक्विटी शोध (खुदरा) प्रमुख श्रीकांत चौहान ने कहा, 'ऊंची मुद्रास्फीति तथा आगामी माह में अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि की संभावना के चलते शेयर बाजारों में काफी उतार-चढ़ाव बना रहेगा।'

उत्तर कोरिया के साथ तनाव कम करने अमेरिका को और कदम उठाना जरूरी: चीन

संयुक्त राष्ट्र (ईएमएस)। संयुक्त राष्ट्र में चीन के राजदूत ने कहा कि अमेरिका को उत्तर कोरिया के साथ तनाव कम करने के लिए और अधिक लुभावनी और व्यावहारिक नीतियों एवं कार्ययोजनाओं पर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अमेरिका को उत्तर कोरिया के परमाणु एवं बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रमों को लेकर टकराव, निंदा और प्रतिबंधों के दुष्चक्र में लौटने से बचना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र में चीन के राजदूत झांग जून ने कहा कि समाधान सीधी बातचीत में निहित है और अगर अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन का प्रशासन उत्तर कोरिया के साथ कोई समाधान चाहता है तो उन्हें और अधिक ईमानदारी और लचीला रुख दिखाना चाहिए। चीन के राजदूत ने अमेरिका-उत्तर कोरिया के परमाणु विवाद पर संवाददाताओं को चीन के विचारों से अवगत कराते हुए कहा ?कि इस मुद्दे को हल करने की चाबी पहले से ही अमेरिका के हाथों में है। यह पूछे जाने पर कि इस संबंध में अमेरिका को और क्या करना चाहिए, क्योंकि वह पहले ही कह चुका है कि वह उत्तर कोरिया के साथ बात करने के लिए तैयार है, इस पर झांग ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन के बीच सिंगापुर एवं हनोई में बातचीत की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा ?कि हमने उत्तर कोरिया को परमाणु हथियारों के परीक्षण और अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों के प्रक्षेपण को स्थगित करते देखा है और फिर अमेरिका ने क्या किया, हमने यह भी देखा है।

पाकिस्तानी सेना के अभियान में 20 आतंकवादी मारे गए

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तानी सेना ने कहा कि इस सप्ताह की शुरुआत में अशांत बलूचिस्तान प्रांत में सुरक्षाबलों के शिविरों पर हमला करने वाले आतंकवादियों के खिलाफ शुरु किए गए अभियान में 20 आतंकवादी मारे गए और यह अभियान सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। सेना ने बताया कि आतंकवादियों ने बुधवार को नौशकी और पंजगुर इलाकों में सेना के शिविरों पर हमला किया था लेकिन सुरक्षाबलों ने तेजी से कार्रवाई की और उन्हें सफलापूर्वक खदेड़ दिया। सेना की मीडिया मामलों की शाखा ने एक बयान में कहा कि अभियान के दौरान हुई झड़पों में नौ सैनिक तथा 20 आतंकवादी मारे गए।

जेफ बेजोस की नाव को समद्र तक ले जाने के लिए तोड़ना पड़ेगा ऐतिहासिक पुल, बेजोस देंगे पूरा खर्चा

रॉटर्डम (ईएमएस)। दुनिया के सबसे अमीर अरबपतियों में शामिल जेफ बेजोस की विश्व की सबसे विशालकाय नौका वाई721 नीदरलैंड में बड़े विवाद में फंस गई है। यह नौका इतनी बड़ी है कि उसको रास्ता देने के लिए रॉटर्डम शहर में स्थित ऐतिहासिक पुल के एक हिस्से को तोड़ना पड़ा है। इससे रॉटर्डम के स्थानीय लोग बुरी तरह से भड़के हुए हैं। रॉटर्डम शहर के प्रशासन ने जहां इस तोड़फोड़ को मंजूरी दे दी है, वहीं अब शहरवासियों ने बेजोस की नाव पर हजारों की तादाद में अंडे बरसाने का फैसला किया है। जेफ बेजोस की यह आलीशान नौका 417 फुट ऊंची है और इसे बनाने में करीब 43.65 अरब रुपए का खर्च आया है। अब यह नौका तैयार है और पहली बार समुद्र की लहरों पर सैर के लिए निकलने वाली है।

रॉटर्डम शहर के करीब 4 हजार लोगों ने फेसबुक पर इस नौका पर अंडे बरसाने में रुचि दिखाई है। इस नौका को ओसेना शिपयार्ड में बनाया गया हैस, लेकिन उसे समुद्र तक पहुंचने के लिए कोनिंगशेवेन ब्रिज से गुजरना होगा। इस ब्रिज के नीचे से 130 फुट तक के जहाजों को ही निकलने की अनुमति है। जेफ बेजोस की अरबों की यह नाव 417 फुट ऊंची है और उसको समुद्र तक ले जाने के लिए ऐतिहासिक पुल को तोड़ना होगा जिसका खर्चा बेजोस दे रहे हैं।

144 साल पुराने कोनिंगशेवेन ब्रिज को 1878 में बनाया गया था। दूसरे विश्व युद्ध के दौरान नाजी सेना ने इस पुल पर बमबारी की थी और इसे दोबारा बनाया गया था। वर्ष 2017 में इस ब्रिज की मरम्मत की गई थी और तब लोकल काउंसिल ने वादा किया था कि वह कभी भी इस ब्रिज के साथ छेड़छाड़ नहीं करेगा। स्थानीय सरकार अब इसके फायदे बताने में लगी है। सरकार का कहना है कि बेजोस की आलीशान नौका से बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिला है। साथ ही सरकार ने कहा कि बेजोस की नौका गुजरने के बाद ब्रिज को फिर से बनाया जाएगा। वाई721 के बारे में हाल ही में जेफ बेजोस से जुड़ी एक किताब में भी जिक्र किया गया है। इसमें कहा गया है कि यह सुपरयाट वर्तमान समय में मौजूद सबसे ज्यादा अच्छे से चलने वाले जहाजों में से एक है।

बताया जा रहा है कि जेफ बेजोस का यह महाविशालकाय याट अंतरिक्ष से भी देखा जा सकेगा। इसका अपना एक अन्य सपोर्ट याट भी होगा। इसमें हेलिपैड भी बना होगा। जेफ बेजोस अपना समय बचाने के लिए दुनिया के सबसे तेज विमान गल्फस्ट्रीम जी-650ईआर प्राइवेट जेट का इस्तेमाल करते हैं। इसकी कीमत करीब 6.5 करोड़ डॉलर है। वर्ष 2017 में जेफ बेजोस ने फूड ग्रोसरी चेन को 13.7 अरब डॉलर में खरीदा था। दुनिया की सबसे बड़ी इंटरनेट कंपनी चलाने वाले बेजोस अब अंतरिक्ष की यात्रा पर रवाना होने जा रहे हैं। बेजोस ने साल 2000 में ब्लू ओरिजिन की स्थापना की थी।

नेटफ्लिक्स पर सबसे ज्यादा देखी जाने वाली फिल्म बनी 'परफेक्ट स्ट्रेंजर्स', फिल्म में एक्ट्रेस के पैंटी उतारने पर मचा बवाल

काहिरा (ईएमएस)। मिस्र में इन दिनों नेटफ्लिक्स की पहली अरबी फिल्म परफेक्ट स्ट्रेंजर्स को लेकर बवाल मचा हुआ है। परफेक्ट स्ट्रेंजर्स सात दोस्तों की कहानी है। जिसमें एक डिनर पार्टी के दौरान सातों दोस्त अपने-अपने फोन में आने वाले मैसेजों को शेयर करने का फैसला करते हैं। इन मैसेजों से इन सातों दोस्तों के पॉर्न मैसेज शेयर करने, समलैंगिकता, वर्जिनिटी खोने और सीक्रेट लव अफेयर्स के राज खुलते हैं। यह सिनेमा के इतिहास की सबसे ज्यादा रीमेक की जाने वाली फिल्म है।

18 अलग-अलग भाषाओं में उपलब्ध इस फिल्म ने वफादारी, दोस्ती और गोपनीयता पर बातचीत को बढ़ावा दिया है। नेटफ्लिक्स के लेटेस्ट अरबी वर्जन में जारी फिल्म को लेकर एक अलग बहस छिड़ी हुई है। फिल्म में महिलाओं की कामुकता और एलजीबीटी अधिकारों के बारे में बात की गई है। जबकि, मध्य-पूर्व के देशों में इसे धार्मिक और पारिवारिक मूल्यों के खिलाफ देखा जा रहा है। इस फिल्म के एक सीन में मिस्र की अभिनेत्री मोना जकी को पैंटी उतारते हुए दिखाए जाने पर सोशल मीडिया में भारी नाराजगी देखने को मिली है। परफेक्ट स्ट्रेंजर्स नेटफ्लिक्स की पहली अरबी फिल्म है। 20 जनवरी को रिलीज होने के बाद परफेक्ट स्ट्रेंजर्स नेटफ्लिक्स पर सबसे ज्यादा देखी जाने वाली फिल्म बन गई है।

मिस्र के सांसद मुस्तफा बकरी ने दावा किया कि इस फिल्म ने पारिवारिक मूल्यों को क्षति पहुंचाई है। उन्होंने मिस्र की सरकार से नेटफ्लिक्स पर प्रतिबंध लगाने की मांग की। इसके अलावा कई अन्य वर्गों के लोगों ने देश में फिल्म को प्रतिबंधित करने और समलैंगिकता के प्रचार पर मुकदमों की धमकी भी दी। मिस्र में धार्मिक और पारिवारिक कारणों से एलजीबीटी समुदाय को काफी दिक्कतें उठानी पड़ती है। कई दर्जन एलजीबीटी लोगों और कार्यकर्ताओं को मिस्र में मनमाने तरीके से गिरफ्तार भी किया जा चुका है।

मिस्र के एक्टर्स यूनियन के अध्यक्ष अशरफ जकी ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा वह अभिनेत्री मोना जकी के साथ खड़े हैं। कला की भूमिका कठिन मुद्दों को संबोधित करना है, एक ऐसे समाज में जो स्वतंत्रता में विश्वास करता है। फिल्म निर्माता मारिया अब्देल करीम ने कहा कि मिस्र का सिनेमा पारंपरिक रूप से कामुकता का प्रतिनिधित्व करने में अग्रणी था। मिस्र के सिनेमा में बेली डांसर्स का बहुत इस्तेमाल किया गया। उन्होंने कहा महिलाओं को अभी भी आमतौर पर पुरुषों को खुश करने, उन्हें लुभाने के लिहाज से चित्रित किया जाता है।

कट्टरपंथी और लोकतांत्रिक विचारधाराएं एक समान नहीं हैं: भारत

जिनेवा (ईएमएस)। भारत ने राजनीतिक विचारधाराओं और कट्टरपंथी विचारधाराओं के बीच अंतर करने की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए कहा है कि राजनीतिक विचारधाराएं एक बहुलवादी लोकतांत्रिक राजनीति का हिस्सा हैं तो वहीं कट्टरपंथी विचारधाराएं आतंकवाद को बढ़ावा देती हैं। भारत ने जोर देकर कहा कि दोनों को एक ही नजरिये से देखने का कोई भी प्रयास गलत और प्रतिकूल है। संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद रोधी कार्यालय (यूएनओसीटी) द्वारा आयोजित सदस्य देशों की राजदूत स्तर की वार्षिक ब्रीफिंग के दौरान संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने कहा कि भारत का हमेशा से मानना रहा है कि राष्ट्रों को 9/11 से पहले के दौर में नहीं जाना चाहिए, जब आतंकवादियों को आपका आतंकवादी और मेरा आतंकवादी में विभाजित किया जाता था। तिरुमूर्ति ने कहा कि उन्हें वर्गीकृत करना आतंकवाद से निपटने के सामूहिक संकल्प को कमजोर करता है। उन्होंने कहा कि यह समझने की जरूरत है कि लोकतंत्र में दक्षिणपंथी और वामपंथी राजनीति का हिस्सा हैं और चुनाव के माध्यम से सत्ता में आते हैं, जो बहुमत की इच्छा को दर्शाता है। तिरुमूर्ति ने कहा ?कि लोकतंत्र की परिके अनुसार यह विचारधाराओं और विश्वासों का एक व्यापक संगम होता है। हमें राजनीतिक विचारधाराओं और कट्टरपंथी विचारधाराओं के बीच अंतर करने की आवश्यकता है। राजनीतिक विचारधाराएं एक बहुलवादी लोकतांत्रिक राजनीति का हिस्सा हैं तो वहीं कट्टरपंथी विचारधाराएं आतंकवाद को बढ़ावा देती हैं। हमारी लड़ाई ऐसी कट्टरपंथी विचारधाराओं के खिलाफ है न कि लोकतंत्र के खिलाफ। दोनों को एक ही नजरिये से देखने का कोई भी प्रयास गलत और प्रतिकूल है।

कश्मीरियों को बचाने के लिए तत्काल कार्रवाई की जरूरत : इमरान खान

चीन में भी जारी रहा पाक पीएम का कश्मीर पर अर्नगल प्रलाप

इस्लामाबाद (ईएमएस)। लगता है पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान को दिन-रात दोनों समय कश्मीर के सपने आते रहते है। वे इस वक्त चीन के दौरे पर हैं। बीजिंग में शीतकालीन ओलंपिक खेलों के उद्घाटन समारोह में हिस्सा लेने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने शनिवार को बीजिंग में अपनी चीनी समकक्ष ली के कियांग के साथ बातचीत की। इस बैठक के बाद इमरान खान ने कहा कि पाकिस्तान और चीन ने दोनों पड़ोसी देशों के बीच 'ऑल वेदर' पार्टनरशिप के महत्व को बढ़ावा दिया किया और एक-दूसरे के प्रमुख हित के समर्थन को दोहराया है। चीन में भी इमरान खान अपना कश्मीर राग अलापने से नहीं बाज आए। एक पाकिस्तान के अखबार ने पीएमओ के हवाले से बताया कि इस बैठक में इमरान खान के साथ पाकिस्तान के विदेश मंत्री, वित्त मंत्री, योजना मंत्री, सूचना मंत्री और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल थे। बयान में कहा गया कि दोनों नेताओं के बीच बातचीत गर्मजोशी, गहरे आपसी विश्वास और सहमति से प्रभावित थी। पाकिस्तान और चीन ने द्विपक्षीय आर्थिक और व्यापार संबंधों पर चर्चा की। इसमें सीपीईसी के आगे बढ़ने और क्षेत्रीय और वैश्विक चिंता के महत्वपूर्ण मुद्दों सहित द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा शामिल थी।

रिपोर्ट के मुताबिक दोनों पक्षों ने पाकिस्तान-चीन ऑल-वेदर स्ट्रैटेजिक कोऑपरेटिव पार्टनरशिप की पुष्टि की और एक-दूसरे के मुख्य हित के मुद्दों पर समर्थन दोहराया। इमरान खान ने कहा कि पिछले साल राजनयिक संबंधों की स्थापना के 70 साल पूरे होने पर द्विपक्षीय मित्रता को एक नई गति मिली है। उन्होंने कोविड-19 महामारी से निपटने और समय पर टीकों की आपूर्ति में पाकिस्तान को समर्थन और सहायता के लिए चीनी सरकार को धन्यवाद दिया। रिपोर्ट में कहा गया कि क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति पर विचारों को साझा करते हुए इमरान खान ने 'भारतीय अवैध रूप से अधिकृत जम्मू और कश्मीर (आईआईओजेके)' में गंभीर स्थिति के साथ-साथ कश्मीरी लोगों के दर्द को कम करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की ओर से तत्काल कार्रवाई के महत्व पर प्रकाश डाला। खान ने अफगानिस्तान में जारी संकट से निपटने के लिए भी चीन के साथ हाथ मिलाने का दावा किया है।

चीन की पड़ोस की कूटनीति में पाकिस्तान को प्राथमिकता: चीनी प्रधानमंत्री

बीजिंग (ईएमएस)। चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग ने कहा कि पड़ोस की कूटनीति में चीन के लिए पाकिस्तान प्राथमिक स्थान रखता है। ली ने अपने पाकिस्तानी समकक्ष इमरान खान से मुलाकात की। इस दौरान खान ने उन्हें आश्वासन दिया कि उनकी सरकार चीनी नागरिकों और उनके देश में जारी परियोजनाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास करेगी। चीन की एक सरकारी समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बाद चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के दूसरे नंबर के नेता ली ने पाकिस्तान के साथ बहु-आयामी व्यावहारिक सहयोग को मजबूत करने की चीन की इच्छा व्यक्त की। चीनी प्रधानमंत्री ने कहा कि चीन हमेशा पाकिस्तान के साथ अपने करीबी रणनीतिक संबंधों को महत्व देता है। खान चीनी सरकार के निमंत्रण पर बीजिंग के दौरे पर हैं और हाल ही में बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए थे। ली ने खान के साथ बैठक में कहा कि चीन पाकिस्तान से कृषि उत्पादों के आयात का विस्तार करने पर गंभीरता से विचार करेगा। खान ने चीन के साथ रणनीतिक साझेदारी का हवाला देते हुए कहा कि उनका देश चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) की परियोजना के लिए प्रतिबद्ध है और कई क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करना जारी रखेगा।

टेक्सास में बंदूकधारी ने चार की हत्या के बाद की आत्महत्या

ऑस्टिन (ईएमएस)। टेक्सास राज्य में एक बंदूकधारी ने अपने ही परिवार के चार सदस्यों की हत्या करने के बाद आत्महत्या कर ली। घटना में मारे गए लोगों में एक बच्चा भी शामिल है। पुलिस के मुता?बिक डलास के दक्षिण में लगभग 80 किल

गुजरात में कोरोना की तीसरी लहर अंत की ओर, 24 घंटों में 3897 नए केस, 19 मौतें

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में कोरोना की तीसरी लहर का असर धीरे धीरे खत्म हो रहा है राज्य में संक्रमित मरीजों की संख्या लगातार घट रही है रविवार को राज्य में कोरोना के 3897 नए मरीज सामने आए, वहीं 10273 लोग ठीक होकर अपने घर लौट गए जबकि 19 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई आज राज्य में 60587 लोगों का टीकाकरण किया गया पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 1263, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 777, वडोदरा में 203, मेहसाणा में 186, सूरत कॉर्पोरेशन में 147, बनासकांठा में 139, सूरत में 137, कच्छ में 131, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 113, राजकोट कॉर्पोरेशन में 99, खेडा में 80, राजकोट में 67, आणंद में 59, गांधीनगर में 54, साबरकांठा में 52, भरुच में 47, भावनगर कॉर्पोरेशन में 36, पाटन में 33, तापी में 31, मोरबी में 26, अहमदाबाद में 25, नवसारी में 23, जामनगर कॉर्पोरेशन में 18, वलसाड में 17, अमरेली में 16, दाहोद में 15, गिर सोमनाथ में 15, देवभूमि द्वारका में 13, पंचमहल में 13, अरवल्ली में 12, डांग में 12, जामनगर में 8, जूनागढ़ में 6, नर्मदा में 6, सुरेन्द्रनगर में 6, महीसागर में 4, भावनगर में 2, छोटाउदेपुर में 2, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 2 और पोरबंदर में 2 समेत राज्य में कुल 3897 कोरोना के मामले दर्ज हुए जबकि 10273 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया राज्य में अब तक 1144956 लोग कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं पिछले 24 घंटों में 24 मरीजों की मौत के साथ राज्य में कोरोना से मरने वालों की संख्या 10667 पर पहुंच गई फिलहाल राज्य में कोरोना के 44618 सक्रिय मरीज हैं, जिसमें 44393 स्टेबल हैं और 225 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं आज राज्य में 60587 लोगों का टीकाकरण किया गया जिसमें 8 हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर को पहला और 218 को दूसरा टीका दिया गया 45 वर्ष से अधिक आयु के 2190 को पहला और 4201 को कोरोना का दूसरा डोज दिया गया 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के 9588 को पहली और 15751 नागरिकों को कोविड की दूसरी वैक्सीन दी गई 15 से 18 वर्षीय 7441 किशोरों को पहला और 10838 को कोरोना का दूसरा टीका लगाया गया जबकि 10352 नागरिकों को बूस्टर डोज दिया गया राज्य में अब तक 9 करोड़ 96 लाख 09 हजार 935 नागरिकों को वैक्सीनेट किया जा चुका है

गुजरात के राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने स्वर कोकिला लता मंगेश्कर के निधन पर शोक जताया

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत और मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने स्वर कोकिला और भारत रत्न लता मंगेश्कर के निधन पर गहरा शोक व्यक्त कर उन्हें हार्दिक श्रद्धाजंलि दी है राज्यपाल ने अपने शोक संदेश में कहा कि लता जी के निधन से देश को अपूर्णीय क्षति हुई है स्व. लता जी ने संगीत क्षेत्र में जो योगदान दिया है, वह अविस्मरणीय रहेगा उनके निधन से हिन्दी फिल्म संगीत के एक अध्याय का अंत हो गया है राज्यपाल ने परम कृपालु परमात्मा से सदगत् की आत्मा को शाश्वत शांति प्रदान करने की प्रार्थना की है गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने अपने शोक संदेश में कहा कि देश का सूर अनंत में विलीन हो गया भारत ने अपना सबसे अमूल्य रत्न गंवा दिया है विख्यात सूरसाम्रज्ञी लता मंगेश्कर के निधन हम सभी के लिए बहुत बड़ी क्षति है परमात्मा सदगत् की आत्मा को शांति प्रदान करे और उनके परिवारजनों को यह आघात सहन करने की शक्ति प्रदान करे, ऐसी ईश्वर से प्रार्थना

स्वर कोकिला लता मंगेश्कर के निधन पर गुजरात के कलाकारों ने दी शोकाजंलि

अहमदाबाद (ईएमएस) स्वर कोकिला लता मंगेश्कर के निधन से समूचे देश में शोक व्याप्त है गुजरात समेत देशभर के लोग नम आंखों से लता मंगेश्कर को श्रद्धाजंलि दे रहा है गुजरात के कलाकारों ने लता मंगेश्कर को प्रेरणास्त्रोत बताते हुए उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है लता जी ने कई गुजराती गीतों को भी अपना स्वर दिया था गुजरात के सभी कलाकारों का कहना है कि लता जी की बिदाई से देश को बहुत बड़ी क्षति हुई है, जो कभी पूरी नहीं हो सकती लताजी ने केवल गुजराती और हिन्दी ही नहीं बल्कि देश की करीब 15 जितनी भाषाओं के गीतों को अपना स्वर दिया था गुजरात के विख्यात गायक प्रफुल दवे ने लता जी को श्रद्धाजंलि देते हुए कहा कि वे श्वर से जुड़ी थीं, उनका निधन नहीं हुआ क्योंकि श्वर अमर रहता है श्वर ईश्वर का ही स्वरूप है और जैसे ईश्वर की कभी मृत्यु नहीं होती, उसी प्रकार श्वर की भी मृत्यु नहीं होती मायाभाई आहिर ने लता जी को श्रद्धाजंलि देते हुए कहा कि भारत का स्वर टूटने से कला जगत का बड़ा आघात लगा है वसंत पंचमी की रात भगवान को जैसे एक स्वर की जरूरत पड़ी हो, इस प्रकार उन्होंने लता जी को बुला लिया लता जी का निधन समूचे भारत के लिए किसी आघात से कम नहीं है गायक हेमांग व्यास ने लता जी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उनके जाने से कला जगत को अपूर्णीय क्षति हुई है लता जी संगीत के लिए सबसे बड़ी प्रेरणा स्त्रोत थी अब तक लता जी जैसी कोई गायिका हुई नहीं है और भविष्य में कोई होगी, इसमें संदेह है पार्थ ओझा ने लता जी को श्रद्धाजंलि देते हुए कहा कि वे संगीत का समुद्र थी उन्होंने देश को अमूल्य गीत और संगीत पर अपार प्रेम बरसाया लता जी का जाने-अंजाने प्रत्येक कलाकार पर आशीर्वाद होता है मैं तो उन्हें साक्षात माता सरस्वती का अवतार मानता था लता जी के जाने से दुनिया को बहुत बड़ी क्षति हुई है लता जी को साक्षात सरस्वती का स्वरूप बताते हुए मेहुल सूरती ने कहा कि उन्होंने कई गुजराती गीत भी गाए हैं लता जी की आवाज ही इतनी मधुर थी कि वे बात करती थीं, तब भी लगता था कि वे गा रही हैं लता जी का जाना देश के लिए अपूर्णीय क्षति है

टीएमसी सांसद महुवा मोइत्रा के बयान से जैन समाज में आक्रोश, कहा-माफी मांगे

अहमदाबाद (ईएमएस) तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद महुवा मोइत्रा के जैन समुदाय को लेकर दिए गए बयान से जैनों में आक्रोश व्याप्त है जैन समुदाय का कहना है महुवा मोइत्रा अपना बयान वापस लें और माफी मांगें बता दें कि शुक्रवार को टीएमसी सांसद महुवा मोइत्रा ने लोकसभा के अंदर गुजरात की नगर पालिका क्षेत्रों की सड़कों पर मांसाहारी भोजन पर प्रतिबंध लगाने से लेकर पेगासस और धर्म संसद तक मुद्दा उठाया था टीएमसी सांसद ने कहा था कि आप हमारे सिर के अंदर जाना चाहते हैं, हमारे घरों के अंदरक आप हमें बताना चाहते हैं कि क्या खाना चाहिए, क्या पहनना चाहिए, किससे प्यार करना चाहिए, आप एक ऐसे भारत से डरते हैं जो अपने आप में आरामदायक हो, गणतंत्र के नागरिकों को अब लड़ने की जरूरत है आप गुजरात की नगर पालिका में नॉन वेजिटेरियन स्ट्रीट फूड पर पाबंदी लगा देते हैं महुवा मोइत्रा ने आगे कहा कि जहां एक जैन लड़का घर में छुपकर अहमदाबाद की सड़क पर ठेसे से काठी कबाब खाता है महुवा मोइत्रा के इस बयान के बाद जैन समाज भड़क गया है गुजरात में जैन समुदाय के लोग महुवा मोइत्रा के बयान के खिलाफ सड़कों पर उतर आए हैं बीते दिन गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने टीएमसी सांसद के बयान की कड़ी आलोचना की थी सूरत शहर के पूर्व डिप्टी मेयर और जैन अग्रणी निरव शाह के नेतृत्व में जैन नगर पार्षद समेत सूरत शहर के समस्त जैन समुदाय की ओर से एक ज्ञापन दिया गया जिसमें कहा गया कि लोकसभा में टीएमसी की महिला सांसद ने जो गैर जिम्मेदारा बयान देकर जैन समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है ऐसा बयान देने से पहले टीएमसी सांसद ने कभी जैन धर्म और उसके अनुयायियों के बारे में अध्ययन किया है? क्या कभी महुवा मोइत्रा अहमदाबाद की गलियों में गई हैं? क्या मोइत्रा के पास उनके बयान को सिद्ध करने वाला कोई प्रमाण है? आखिरकार टीएमसी सांसद ने किस आधार पर जैन समुदाय के खिलाफ ऐसा बयान दिया है? कलेक्टर को दिए ज्ञापन में लिखा गया है कि जैन समाज न मात्र शुद्ध शाकाहारी है, बल्कि जैन समाज और धर्म अहिंसा पर आधारित है, जहां छोटे से छोटे जीवों के साथ भी हिंसा करने के बजाए उसका ध्यान रखा जाता है ऐसे में निम्नस्तर के और गैर जिम्मेदाराना बयानबाजी कर टीएमसी सांसद ने जैन समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है, जिसकी समाज कड़ी आलोचना करता है साथ ही मांग करता है कि टीएमसी सांसद अपने बयान के लिए तुरंत माफी मांगे और लोकसभा के रिकार्ड से भी उनका बयान तुरंत हटाया जाए भविष्य में महुवा मोइत्रा ऐसी बयानबाजी न करें, यदि ऐसा नहीं किया गया तो जैन समाज कड़ा प्रतिकार करेगा और उसके जो नतीजे सामने आएंगे, उसके लिए संसद जिम्मेदार होगी

अहमदाबाद मण्डल के देशलपुर गूड्सशेड से पहली बार बेंटोनाइट पाउडर रश्मि मेटलिक्स लि. गोरखपुर के लिए लदान किया

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल के देशलपुर गूड्स शेड से पहली बार पश्चिम बंगाल के खड़कपुर मंडल के रश्मि मेटलीक्स लिमिटेड गोरखपुर को बेंटोनाइट पाउडर का प्रथम रैक का लदान किया गया। मण्डल रेल प्रबंधक तरुण जैन के दूरदर्शी नेतृत्व, सक्षम मार्गदर्शन व ऊर्जावान प्रेरणा और बिजनेस डवलपमेंट यूनिट (ँअळ) अहमदाबाद द्वारा शुरू की गई प्रोत्साहन योजनाओं के फलस्वरूप यह प्रमुख उपलब्धि सम्भव हुई है। नये उत्पादों और नये बाज़ार पर कब्जा करने के लिए मण्डल द्वारा उठाए गए कारगर कदमों ने माल ढुलाई को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाया है और मण्डल सफलता की नई बुलंदियों तक पहुँचने की राह पर निरंतर अग्रसर है। इसी क्रम में हाल ही में अहमदाबाद मंडल के देशलपुर गूड्स शेड से दक्षिण पूर्व रेलवे के खड़कपुर मंडल पर रश्मि मेटलीक्स लिमिटेड गोरखपुर को बेंटोनाइट पाउडर का प्रथम रैक (बूस्ट टाइप रैक के 45 यूनिट) लदान किया गया। हंगरी फॉर कार्गो' की आदर्श संकल्पना के समुचित क्रियान्वयन के क्रम में पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल द्वारा शुरू किए गए विभिन्न अभिनव प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं और इसके फलस्वरूप मण्डल ने कामयाबी का एक और अहम पड़ाव हासिल किया है।

किशन भरवाड हत्या केस में

मौलाना ने अहमदाबाद के युवकों को भी जिहाद के लिए भड़काया था

आरोपी शब्बीर ने कबूला किया कि, वह मौलाना अयुब के सीधे संपर्क में था

अहमदाबाद, ६ फरवरी।

किशन भरवाड हत्या केस में एटीएस द्वारा लगातार आरोपियों की पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने इस हत्याकांड के सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। यह हत्या केस में जमालपुर के मौलवी अयुब की सक्रिय भूमिका सामने आ रही है। यह केस की जांच में सामने आया है कि, मौलाना अयुब ने शब्बीर को यह हत्या करने के लिए भड़काया था। इतना ही नहीं मौलाना अयुब ने हत्या के लिए हथियार भी उपलब्ध कराया था। दूसरी तरफ, दिल्ली के आरोपी मौलाना कमरगनी उस्मानी ने कानूनी मदद के लिए आश्वासन दिया था। इसके साथ ही शब्बीर के परिवार को आर्थिक मदद का भी विश्वास दिलाया था। इसके बाद शब्बीर यह हत्या करने के लिए तैयार हुआ था। अब इस केस में एटीएस द्वारा एक विशेष टीम बनाकर मौलाना अयुब की पूछताछ की जा रही है। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि, मौलाना अयुब ने शब्बीर के जैसे अहमदाबाद के कई युवकों के मन में जिहाद का जहर भर दिया। एटीएस को अहमदाबाद के दाणीलीमडा, वटवा, मिर्जापुर, शाहआलम, दरियापुर जैसे क्षेत्रों में रहते कई युवकों के नाम का लिस्ट मिला है। अब आगे भी कई खुलासे होने की संभावना है। यह केस की जांच में कई रहस्यों पर से धीरे धीरे पर्दा उठ रहा है। धंधुका इस बहुचर्चित किशन भरवाड केस के आरोपी शब्बीर की पुलिस ने कड़ी पूछताछ की थी। अब आरोपी शब्बीर ने कबूला है कि, वह मौलाना अयुब के सीधे संपर्क में था। मौलाना अयुब जबकि भी मिलता तब इस्लाम के विरूद्ध बोलने वाले को सजा देने की और जिहाद की बात करते थे। इतना ही नहीं मौलाना अयुब वाट्सएप का उपयोग करता था और इसके भड़काऊ जनक विडियो भी भेजता था। जबकि किशन भरवाड ने सोशल मीडिया पर पोस्टर की यह बात की जानकारी शब्बीर ने मौलाना अयुब को की थी।

चोरी के शक में फैक्ट्री संचालक ने चार नाबालिग लड़कों को निर्वस्त्र कर पीटा, 4 गिरफ्तार

वलसाड (ईएमएस) वलसाड में चार नाबालिग किशोरों को तालीबानी सजा देने की घटना सामने आई है घटना है वलसाड जिले की वापी जीआईडीसी की जहां एक कंपनी संचालक ने चोरी के संदेह में चार किशोरों को निर्वस्त्र कर उनकी बर्बतापूर्वक पिटाई कर दी घटना सामने आते ही पुलिस फैक्ट्री संचालक समेत चार लोगों को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू की है सोशल मीडिया में एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें कुछ लोग चार नाबालिग लड़कों को निर्वस्त्र कर निर्दयतापूर्वक पिटाई करते नजर आ रहे हैं यह वीडियो वलसाड जिले की वापी जीआईडीसी स्थित निहाल इंजीनियरींग कंपनी का था निहाल इंजीनियरींग फैक्ट्री का मालिका और उसके साथी कंपनी के आसपास घूमते चार नाबालिग लड़कों को उठा लाई और कंपनी में होनेवाली चोरी के बारे में पूछताछ करने लगे जिसके बाद कंपनी संचालक समेत उसके साथियों ने चारों किशोरों के हाथ पैर बांध दिए और उन्हें निर्वस्त्र कर निर्दयतापूर्वक पिटाई शुरू कर दी पीड़ित किशोरों में से एक के पिता को जब इसका पता चला तो वह तुरंत निहाल इंजीनियरींग कंपनी पहुंच गए और अपने बेटे समेत उसके साथियों को छोड़ने की गुहार लगाने लगे लेकिन कंपनी संचालक और उसके साथियों पर एक लाचार पिता की गुहार का कोई असर नहीं हुआ और बर्बरतापूर्वक किशोरों की पिटाई करते रहे और बाद में उन्हें छोड़ दिया एक ओर घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ और दूसरी पीड़ित किशोर के पिता ने वापी जीआईडीसी पुलिस थाने में कंपनी के संचालक समेत चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवा दी पुलिस ने तत्काल कार्यवाही करते हुए देवांग बलवंतराय, जय बलवंतराय, डेनी लल्लुभाई भंडारी और महेश राजेन्द्र गुप्ता को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे धकेल दिया प्राथमिक जांच में पता चला कि कंपनी में कबाड़ की चोरी की आशंका ने कंपनी संचालक ने संदेह के आधार पर चारों किशोरों को पकड़ा था और कानून हाथ में लेकर उनके साथ बर्बरतापूर्वक मारपीट की

विरासत जारी रखने वाले अब्दुलभाई आठ पीढियों के उत्तराधिकारी

कच्छ, ६ फरवरी।

सीमा जिला कच्छ में कई कला के साथ जुड़े हुए कारीगर है जिन्होंने अपनी कला ग्रामीण स्तर से विश्व स्तर पर पहुंचाई है। ऐसी ही एक ४०० वर्ष पुरानी कला रोगान आर्ट जो कि विश्व स्तर पर पहुंची है और कच्छ के रोगान आर्टिस्ट अब्दुलगफुर खत्री को यह कला के लिए २०१९ में पद्मश्री अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। कच्छ जिले के नखत्राणा तहसील का नीरोणा गांव कि जहां कई कला के साथ जुड़े हुए कारीगर यहां रहते है और अपना गुजारा करते है। फेशनेबल वस्त्रों पर भी अब रोगान कला की नई छांट तैयार की जाती है। य रोगान आर्ट की सुवास कच्छ से अमेरिका के व्हाइट हाउस तक पहुंची है। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बराक ओबामा को रोगान आर्ट का सैंपल उपहार दिया था। नखत्राणा तहसील के निरोणा गांव राजाशाही जमाने में सिर्फ कुछ ही जाति की महिलाओं के पहनावे पर ही देखा जाता है। रोगान कसब पीछे से इस जातियों में रोगानकृत वस्त्रों का चलन बंद होने पर कसब ठप हो गया था। फिर भी यह कसब के कारीगरों ने मेहनत से इसे कला में बदलकर इसमें समय की मांग के अनुरूप बदलने की मेहनत आखिर में रंग लाई और यह कसब भारी फल फूल रहा। जबकि इसी कला के साथ जुड़ा हुआ एक परिवार यह कला को छोड़ देने के बाद पिछले एक दशक से फिर से विरासत हस्तकला को अपनाकर पुरानी पीढ़ियों के इंताजर में अब वस्त्रों पर अपनी कला की अपेक्षा रोगान कला में एक नया अध्याय शामिल हुआ है। रोगान आर्ट जिसमें बारीक नक्काशीदार रोगान की कृति देश में ही नहीं सात समुद्र पार पहुंच गई है। यह अमेरिका के व्हाइट हाउस तक यह कला के फैलने से रोगान के रंगों से गोरे लोग प्रभावित हुए। इतना ही नहीं यह परिवार के सदस्यों को रिकॉर्ड तोड़ कला पुरस्कार भी मिल चुके हैं। लुप्त हो रही यह कला को फिर से जीवित करने के लिए यहां के कारीगरों ने मन में गांठ बांध लिया है।

गुजरात में उपचार रामभरोसे

सरकारी अस्पतालों में सुपर स्पेशलिस्ट की ९९ फीसदी कमी

गुजरात सहित देश में सरकारी अस्पतालों में सुपरस्पेशलिस्ट डॉक्टरों की भारी कमी है

गांधीनगर, ६ फरवरी।

गुजरात सहित देश में सरकारी अस्पतालों में सुपरस्पेशलिस्ट डॉक्टरों की भारी कमी है। जिसमें सरकारी अस्पतालों में सुपरस्पेशलिस्ट डॉक्टरों की ९९ फीसदी कमी होने का सामने आया है। सुपरस्पेशलिस्ट डॉक्टरों की कमी में देश में मिजोरम सबसे आगे है और मिजोरम में १०० फीसदी सुपरस्पेशलिस्ट डॉक्टरों की कमी है। लेकिन क्या आप जानते है इस लिस्ट में गुजरात किस स्थान पर है। गुजरात की बात करे तो गुजरात में १३९२ सुपरस्पेशलिस्ट डॉक्टरों की जरूरत है और हाल गुजरात में १३७९ सुपरस्पेशलिस्ट डॉक्टरों की कमी है। यानी कि ९९ फीसदी कमी होने की जानकारी मिली है। राज्य सरकार के आंकड़ाकीय डेटा को ध्यान में लेते हुए गुजरात में सर्जन, पीडियाट्रिशियन, ऑब्स्टेरियन, गायनेकोलॉजिस्ट तथा अन्य विशेषज्ञ डॉक्टरों सहित सुपरस्पेशलिस्ट डॉक्टरों की संख्या में ९९ फीसदी कमी होने की जानकारी मिली है। सुपरस्पेशलिस्ट डॉक्टरों के मामले में गुजरात की तुलना में महाराष्ट्र में ६४ फीसदी, मध्यप्रदेश में ९६ फीसदी, राजस्थान में ८० फीसदी, उत्तरप्रदेश में ७१ फीसदी, पश्चिम बंगाल में ५४ फीसदी और बिहार में ४६ फीसदी की कमी देखने को मिलती है। गुजरात में सर्जन पीडियाट्रिशियन, ऑब्स्टेरियन, गायनेकोलॉजिस्ट तथा अन्य विशेषज्ञ डॉक्टरों सहित १३९२ सुपरस्पेशलिस्ट डॉक्टरों की जरूरत है और इसके सामने सिर्फ २६८ पोस्ट -जगह के लिए मंजूरी दी गई है, लेकिन सिर्फ १३ सुपरस्पेशलिस्ट की जगह पर भर्ती हुई है। नेशनल मेडिकल काउंसिल ने निजी मेडिकल कॉलेजों और डिम्ड यूनिवर्सिटियों की ५० फीसदी मेडिकल बैठकों के लिए फीस के नियम निश्चित कर लिया है। अब निजी मेडिकल कॉलेज ५० फीसदी बैठकों पर प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों से अपनी इच्छा से केपिटेशन फीस वसूल नहीं सकेंगे। यह बैठकों के लिए विद्यार्थियों ने राज्य की सरकारी मेडिकल कॉलेजों के लिए निश्चित की गई फीस ही चुकाना होगा।

१०५ अंगों से ९० लोगों को नयाजीवन मिला

सिविल में अंगदान क्षेत्र में सेवा की शताब्दी

अहमदाबाद, ६ फरवरी।

अहमदाबाद सिविल अस्पताल में अंगदान क्षेत्र में सेवा की शताब्दी हुई। दिसंबर २०२१ से शुरू हुए अंगदान के काम को १३ महीने पूरे हुए। यह समय में सिविल अस्पताल में ३४ व्यक्तियों के अंगदान में सफलता मिली है। जिसके द्वारा १०५ अंग मिले। जिसके द्वारा ९० लोगों को नयाजीवन मिला। इसके साथ ही पिछले २४ घंटे में सिविल अस्पताल में २ ब्रेइन डेड व्यक्तियों के अंगदान लेने में सफलता भी मिली है। अंगदान के तहत मिला सिविल अस्पताल में मिले १०५ अंगों की बात करे तो ५१ किडनी, २९ लीवर, ५ स्वादुपिंड, ६ हृदय, २ हाथ और ६ जोड़ फेफड़े शामिल है। यह महत्व के अंगों के द्वारा वर्षों से अंगों की त्रुटि से पीड़ित और संघर्षपूर्ण जीवन बिता रहे जरूरतमंद मरीजों की जीवनशैली बदल गई है और वर्षों की पीड़ा का अंत आया है। अंगदान की प्रक्रिया में महत्व की भूमिका एसओटीटीओ की टीम द्वारा निभाई जाती है। ब्रेइन डेड घोषित होने पर मरीज के परिजनों को एसओटीटीओ की टीम द्वारा अंगदान के लिए प्रेरणा दी जाती है। सिविल अस्पताल के अधीक्षक डॉ. राकेश जोषी बताते है कि, मृत्यु के बाद शरीर पंचमहाभूत में विलिन हो जाएगा इसके अच्छा किसी जरूरतमंद को अंग उपयोगी हो और जीवन में बदलाव लाने में मददरूप बने इसके लिए अंगदान जरूरी है। एसओटीटीओ की टीम द्वारा अस्पताल में ब्रेइनडेड होने पर परिजनों को अंगदान का महत्व बताकर अंगदान के लिए प्रेरित किया जाता है। अब दिन-रात राउंड ध क्लॉक कामकाज कर रहे टीम की काफी प्रयास की वजह से ही कोरोना की विषम परिस्थितियों के बीच भी १३ महीने के दौरान में १०५ अंगदान लेने में सफलता मिली है। अब राज्य में अंगों का वेइटींग घटे जिंदा व्यक्ति को अंगदान करने की जरूरत नहीं पड़े। ब्रेइनडेड व्यक्तियों के परिजन अंगदान के लिए प्रेरित हो इस अच्छे उद्देश्य से सिविल अस्पताल में एसओटीटीओ की टीम द्वारा अंगदान के लिए सेवायज्ञ शुरू किया गया है।

गृह राज्यमंत्री के परिवार के चाचा की सूरत में हुई हत्या

सूरत, ६ फरवरी।

गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी के परिवार के चाचा का सूरत में उनके पड़ोसी के साथ झगड़े में मर्डर हुआ है। घटना की जानकारी मिलने के बाद गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी के मां-पिता गांधीनगर से सूरत आने के लिए रवाना हुए। सूरत के अडाजण रतन पार्क अपार्टमेंट में लिफ्ट में आवागमन को लेकर दो पड़ोसी के साथ हुए झगड़े में बुजुर्ग की उपचार के दौरान मौत हुई है। सूरत के अडाजण क्षेत्र के रतन पार्क में रहते महेशभाई संघवी (उम्र.६३) गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी के परिवार के चाचा है। वह सूरत में डायमंड के व्यापार के साथ जुड़े हुए हैं। शनिवार को वह अपनी बेटी के साथ खरीदी करने के लिए निकले थे। वह समय में उनका कमलेश मेहता नाम का पड़ोसी लिफ्ट में ऊपर आया था। दोनों के बीच लिफ्ट को लेकर वादविवाद हुआ था। लिफ्ट में ऊपर आ रहे थे। तब बोनी कमलेश महेता नाम के शख्स युवक के साथ किसी बात पर वादविवाद हुआ था। कमलेश मेहता ने महेशभाई के नाक के हिस्से में मुक्का मारने पर वह घायल हो गये थे। गंभीर हालत में उनको अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां पर कम इलाज के बाद उनकी मौत हो गई थी। घटना की जानकारी रांदेर पुलिस को दिए जाने पर पुलिस ने हत्या की धारा दर्ज करके आगे की जांच शुरू कर दी है। घटना की जानकारी मिलने के बाद गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी के मां-पिता गांधीनगर से सूरत आने के लिए रवाना हो गये।

अहमदाबाद में फिर बिल्डर का अपहरण करके फिरौती मांगी गई

शिकायतकर्ता ने शिकायत की वह कंस्ट्रक्शन के व्यापार से जुड़े है

अहमदाबाद, ६ फरवरी।

शहर में और एक बार रुपये की लेन-देन में बिल्डर के अपहरण की घटना सामने आई है। इस घटना में पैसा देकर मुक्त होने वाला बिल्डर ने पुलिस शिकायत करने पर पुलिस ने एक शख्स को गिरफ्तार करके आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। सरखेज पुलिस स्टेशन में केवल मेहता नाम के शिकायतकर्ता ने शिकायत की है कि वह कंस्ट्रक्शन के व्यापार से जुड़े हुए है। उन्होंने शिकायत की है कि, २४ दिसंबर को वह मकरबा स्थित उनके घर से राणिप ऑफिस में जा रहे थे। इस दौरान कई अज्ञात शख्स आकर घर के पास कुछ ही दूरी पर दो बाइक सवार आकर दुर्घटना क्यों कि यह कहकर वादविवाद करने लगे थे। कार रोककर और यह दूसरा कुछ समझे इसके पहले एक इनोवा कार आकर और उनको इसमें बिठाकर साणंद के पास केडी. पार्टी प्लॉट के पास खुली जगह में जगह में ले गये। इस दौरान कार में रहे शख्सों ने उनके पास से पैसे मांगे। अब एक व्यक्ति ने केवल मेहता पर चाकू उठाया था। जिसमें केवल मेहता को भी चोटें आईं थी। जिसे एक घंटे के बाद अपहरणकर्ताओं ने छोड़ दिया। जिसके बाद केवल मेहता ने शिकायत करने पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और इस पूरे मामले में राजेश जादव नाम के शख्स को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा रफीक और अशोक और इसके बेटा सहित घटना में शामिल रहे लोगों की भी पुलिस ने खोजबीन शुरू कर दी है।

शराब के आदी ने परिवार में झगड़ा कराया

अहमदाबाद, ६ फरवरी।

शराबबंदी को लेकर कई मामले सामने आते है। लेकिन अहमदाबाद में शराब को लेकर ऐसी घटना हुई जिसकी वजह से संबंध पर गंभीर असर हुआ है। शराब पीने की आदी होने पर पिता के साथ बवाल करने वाला इस बेटे को उन्होंने पीटा था। जिसमें पिता ने ही बेटे की हत्या कर देने पर दूसरे बेटे ने पिता के खिलाफ शिकायत की है। कनुभाई भरवाड की सरदार नगर पुलिस ने हत्या के अपराध में गिरफ्तार किया है। आरोपी कनु भरवाड ने अन्य किसी की नहीं लेकिन अपने ही बेटे भवान भरवाड की हत्या कर दी है। इस उम्र में सुख दुख के दिन बेटे के साथ बिताने की जगह पर एक शराब पीने के मामले में झगड़ा होने पर पिता ने गुस्से में आकर बेटे की हत्या कर दी। हत्या के अपराध में जेल में चले गये है। मृतक भवान भरवाड रिक्शा चलाकर परिवार का गुजारा करते थे। वह शराब पीने का आदी था। उनकी पत्नी को दुख होने पर पत्नी भी माइके में गई थी। शराब पीने की भरवाड समाज में मनाई होने पर भी मृतक शराब पीने का आदी हो गया था और पिता के साथ अक्सर झगड़ा करता था। गत दिन भी ऐसा ही कुछ हुआ था और पिता ने झगड़ा होने पर बेटे को पीटा था। जिसकी वजह से उसकी मौत हो गई थी। इस मामले में कनुभाई के दूसरे बेटे ने ही उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। शिकायतकर्ता बेटे ने एक तरफ पिता को जेल में भेज दिया था, इसके साथ ही भाई भी गंवाया। शराब सच्चाई में एक आदी है यह फिर एक बार ऐसी घटना पर से साबित होता है।

राजकोट डिवीजन स्पोर्ट्स असोशिएशन द्वारा आयोजित डीआरएम ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट में आरपीएफ की क्रिकेट टीम बनी चैम्पियन

पश्चिम रेलवे के राजकोट मंडल में राजकोट डिविजन स्पोर्ट्स असोशिएशन द्वारा आयोजित ''डीआरएम ट्रॉफी'' क्रिकेट टूर्नामेंट का आज समापन हुआ है। इस टूर्नामेंट में राजकोट रेल मंडल के वाणिज्य, मिकेनिकल, इंजीनियरिंग, ऑपरेटिंग, सिग्नल, स्थापना, आर.पी.एफ, इलेक्ट्रिकल, मिकेनिकल और लेखा विभाग की कुल 10 टीमों ने भाग लिया जिनके बीच कुल 23 मैच खेले गए। फाइनल मैच में आरपीएफ की टीम ने इंजीन्यरिंग विभाग की टीम को 7 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया है। फाइनल मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए इंजीन्यरिंग विभाग की टीम ने 15 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 94 रन बनाये वहीं आरपीएफ की टीम ने 12.5 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 95 रन बनाकर खिताब अपने नाम किया। फ़ाइनल मैच में आरपीएफ की टीम के श्री हरेश मालवा ने 35 रन बनाए और बोलिंग करते हुए 2 विकेट भी चटकाए और उन्हे

ऑफ थे मैच घोषित किया गया। इस टूर्नामेंट में ऑपरेटिंग विभाग की टीम के श्री हिरेन के को उभरते हुआ खिलाड़ी, आरपीएफ की टीम के श्री दीपक मरीचि को बेस्ट बोलर, इंजीन्यरिंग विभाग की टीम के श्री महेश पवार को बेस्ट बल्लेबाज तथा इंजीन्यरिंग विभाग की टीम के श्री पंकज सैनी को मेन ऑफ ध सिरीज़ घोषित किया गया। फाइनल मैच की ट्रॉफी विजेता टीम को राजकोट मंडल रेल प्रबंधक श्री अनिल कुमार जैन द्वारा प्रदान की गयी। राजकोट मंडल रेल प्रबंधक श्री अनिल कुमार जैन तथा सीनियर डीसीएम श्री अभिनव जेफ के मार्गदर्शन में इस टूर्नामेंट का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया जिसमें रेलवे की ओर से पूर्व रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी व रेल कर्मचारी श्री हर्षद जोशी, श्री सेंदिल नाटकण, श्री फ़िरोज़ बाम्भनिया, श्री प्रतीक मेहता, श्री संदीप जोबनपुत्रा तथा ग्राउंड इंचार्ज श्री देवेंद्र सिंह झालाने महत्तवपूर्ण योगदान दिया। इस अवसर पर सीनियर डिविजनल इंजीनियर (समन्वय) श्री राजकुमार एस तथा मंडल सुरक्षा आयुक्त श्री पवन कुमार श्रीवास्तव भी उपस्थित थे।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95